हरिभूमि

भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, रविवार, 11 मई 2025

11 लिटल हार्टस ग्रुप ऑफ स्कूल्स में मातृ दिवस पर...

12 विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर एनएसयूआई..

भारत पाक तनाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी पंचायतों व स्थानीय निकायों में सायरन लगाने का लिया निर्णय

गांवों में सुनाई देगी सायरनों की गूंज, सीज फायर के बाद भी अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

शहर के साथ-साथ ग्रामीणों को भी ब्लैक आऊट के प्रति आगाह करने के लिए हर गांव की पंचायत को अपने गांव में सायरन लगवाना निहायत जरूरी कर दिया है। भारत पाकिस्तान के बीच सीज फायर की घोषणा के बाद 11 मई को होने वाली ब्लैक आऊट की रिहर्सल को टाल दिया गया है। हालांकि गांवों शहरों में सायरन लगाने का काम जारी रहेगा। दोनों देशों के बीच भले ही सीज फायर हो गया हो, परंतु प्रशासन अब भी अलर्ट मोड में है। इस दौरान गांव का सरपंच जिला प्रशासन के सम्पर्क में रहेगा। प्रशासन की तरफ से जो भी आदेश या निर्देश होगा। गांव लोहारी जाटू की पंचायत ने सायरन स्थापित करवा दिया है।सरपंच ने सायरन के पास एक व्यक्ति की डयूटी भी फिक्स की है।

भिवानी। गांव लोहारी जाटू में सायरन स्थापित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ताकि निर्देश आते ही सायरन बजाना होगा। जानकारी के अनुसार दो दिन पहले सरकार ने पंचायत विभाग के माध्यम से प्रत्येक गांव में सायरन लगवाए जाने के निर्देश दिए थे। ताकि जब भी प्रशासन की तरफ से मॉक ड्रील या ब्लैक आऊट से संबंधित निर्देश पब्लिक तक पहुंचाना हो तो सरपंच के माध्यम से गांव में पहुंचाया जा सकेगा। साथ ही ग्रामीणों को सचेत करने के लिए उसी वक्त एक लंबी बीप के साथ गांव का सायरन बजाना होगा। ताकि जिला प्रशासन के निर्देशों के हिसाब से ब्लैक आऊट अभियान कामयाब किया जा सके। इस बारे में सभी सरपंच व पंचायतों को सायरन खरीदने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में आज अनेक गांवों की पंचायतों ने सायरन खरीद कर अपने अपने गांव में स्थापित भी करवाए है।

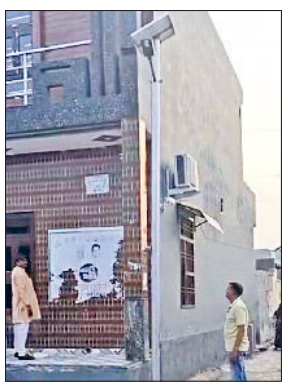

सायरन बजने पर रहें सावधान और सतर्क

लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में डीसी कौशिक ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार द्वारा जारी आपदा प्रबंधन निर्देशों के तहत आमजन का आपातकालीन स्थिति के दौरान सायरन बजने और ब्लैकआउट के दौरान सतर्क और सावधान रहने के प्रति सजग होना जरूरी है। आमजन के लिए जरूरी है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान ना दें, इसके बारे में ग्रामीण अंचल में भी लोगों को जागरूक किया जाए। नागरिक केवल जिला प्रशासन के माध्यम से जारी निर्देशों और हिदायतों पर ध्यान दें।

पटाखे आदि चलाने पर रहेगी पाबंदी

आपदा प्रबंधन के तहत विवाह समारोह के दौरान पटाखे आदि चलने पर प्रतिबंध है। ऐसे में नागरिक शादी समारोह में पटाखे और बम आदि ना चलाएं। इसी प्रकार से उन्होंने कहा है कि विवाह समारोह के दौरान फ्लोरिंग लाइट जलने पर भी प्रतिबंध है। सभी बैंकेट हॉल आदि विवाह समारोह स्थल संचालक सरकार की हिदायतों की पालना करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा है कि आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल मिलाई जाएगी।

एसडीएम ने अस्पताल और बिजलीघर का किया दौरा

लोहारू। सुरक्षा व मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेने के लिए एसडीएम मनोज दलाल ने शुक्रवार को ससामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 132 केवी बिजली सब स्टेशन, 33 केवी पावर हाउस, चौ. बंशीलाल व सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय का दौरा कर उनका निरीक्षण किया। एसडीएम ने एसएमओ डॉ गौरव चतुर्वेदी से अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों, बेड तथा चिकित्सा से संबंधित जानकारी ली। चिकित्सा अधिकारियों कोअपना हेडक्वार्टर मेंटेन रखें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहे। सावित्रीबाई फूले व चौ. बंशीलाल कॉलेज में उपलब्ध आवश्यक उपकरण,भवन और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। एसडीएम ने कहा कि सरकार के मुख्य सचिव द्वारा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने मुख्यालयों/स्टेशनों पर रहने का निर्देश दिया है। बिना अनुमति के कोई भी अपना स्टेशन नहीं छोड़ेगा। किसी भी अफवाह पर ध्यान न दे। सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सएप,ट्विटर, फेसबुक आदि पर फैली खबरों की पुष्टि करे। बिना पुष्टि किसी भी खबर को फॉरवर्ड न करे।

तोशाम खंड में सरपंचों ने गांवों में लगवाए सायरन

तोशाम। भारत-पाकिस्तान के बीच बने तनाव के बाद हरियाणा सरकार ने पूरे राज्य को हाईअलर्ट पर कर दिया है। हालात को देखते हुए सभी ग्राम पंचायतों में सायरन लगाने के आदेश जारी किए गए थे। जिसके बाद तोशाम ब्लॉक की सभी पंचायतों में सायरन लगा दिए हैं। गांवों में एक किलोमीटर साउंड रेंज वाले सायरन लगाए गए हैं। सरकार के आदेशों के बाद तोशाम ब्लॉक के सरपंचों ने अपने- अपने गांवों में सायरन लगा दिए हैं। मुनादी के जरिए लोगों को सायरन बजने पर बरती जाने वाली सावधानियों और आपात स्थिति में उठाए जाने वाले कदमों के बारे में बताया जा रहा है। पंचायतों ने अपनी तरफ से सायरन खरीदकर एक किलोमीटर की रेंज वाले सायरन लगाए गए हैं।

आदेश के बाद बजाना होगा सायरन: बीडीपीओ विनोद सांगवान ने बताया कि एक वाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। जिसमें प्रशासन की तरफ से आदेश दिया जाएगा। उसके बाद सायरन बजेगा। विनोद सांगवान ने अपील की है कि सायरन बजने के ग्रामीण उसमें सहयोग कर तुरंत ब्लैक आऊट कर दें और सावधानी बरतें।

चरखी दादरी। वीडियो कांफ्रेंस में उपायुक्त व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

तैयारियों को लेकर बैठक सतर्क रहने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

आपातकाल में खास तौर पर हमले या आपदा के दौरान जान- माल की सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाने व आवश्यक सामान की आपूर्ति सुनिश्चित करने की तैयारियों को लेकर डीसी ने अधिकारियों की बैठक ली। सोमवार तक जिले के सभी गांव में सायरन लगाने का निर्णय लिया गया है। तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस कर दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए गया है। जिला में खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी या कलाबाजी पर धारा 163 के तहत प्रतिबंध लग दिया गया है। इसी प्रकार किसी भी प्रकार की आतिशबाजी और ड्रोन उड़ाने पर भी प्रतिबंध रहेगा।

दादरी के सभी पुलिस नाकों पर बढ़ाई गई पुलिस सुरक्षा

- वाहनों की जांच और संदिग्ध पर नजर रख रही पुलिस।

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए दादरी पुलिस ने शहर के पुलिस नाकों पर सुरक्षा बढ़ा दी है। गांव में गश्त बढ़ाने का निर्देश दिए गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी है। नाकों पर पुलिस सघन जांच कर रहे हैं। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। शहर में अलग-अलग जिलों से लोग आते हैं इसके अलावा शहर के अधिकांश लोगों का भी किसी न किसी कार्यवश उपरोक्त शहरों में आना-जाना होता है। अधिकारियों का कहना है कि लोगों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

चरखी दादरी। शहर में नाके पर तैनात पुलिस जवान। फोटो : हरिभूमि

सीसीटीवी कैमरों से नजर

सीसीटीवी कैमरे से शहर में नजर रखी जा रही है। शहर में जगह-जगह लगे सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रख रही से है। किसी प्रकार की संदिग्ध की कंट्रोल रूम से जानकारी मिलते ही संबंधित थाना की पुलिस कार्रवाई कर रही है। इसके अलावा किसी प्रकार के साइबर क्राइम को रोकने के लिए जिला पुलिस निरंतर प्रयास कर रही है। एसपी अर्श वर्मा ने दादरी ने सभी पुलिस थानों, पुलिस चौकियों, सीआईए स्टाफ व पुलिस नाकों पर तैनात कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

जिद व जुनून की विपरीत परिस्थितियों पर जीत

पैरा एशियाई में अनन्या बनी चैंपियन

- पैरा आर्म रैसलिंग में स्वर्ण पदक विजेता का किया स्वागत।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

मिनी क्यूबा भिवानी निवासी कोच अखिल कुमार की देखरेख में संचालित अखिल फिटनेस बॉक्सिंग एंड स्पोर्ट्स फाउंडेशन की खिलाड़ी अनन्या ने पैरा आर्म रैसलिंग एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। पदक विजेता खिलाड़ी अनन्या की उपलब्धि पर कोच अखिल कुमार के नेतृत्व में अनेक खिलाड़ियों व खेलप्रेमियों ने सम्मानित किया।

भिवानी। पैरा आर्म रैसलिंग एशियाई चैंपियनशिप अनन्या। फोटो : हरिभूमि

फाउंडेशन के निदेशक व कोच अखिल कुमार ने बताया कि अनन्या ने अपने खेल की शुरुआत अखिल फिटनेस बॉक्सिंग एंड स्पोर्ट्स फाऊंडेशन से की थी।

उन्होंने बताया कि अनन्या मुक्केबाज बनना चाहती थी, लेकिन उसके एक हाथ की उंगलियां न होने के कारण बॉक्सिंग नहीं कर पाई, लेकिन उन्होंने अपने जीवन में हार नहीं मानी तथा आर्म रेसलिंग में अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाने शुरू किए तथा दिन-रात कड़ी मेहनत कर उन्होंने पैरा आर्म रैसलिंग एशियाई चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा दिखाई। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान किया कि जीवन में मुसीबतें हर कदम पर खड़ी रहती है, लेकिन मुसीबतों को जुनून व जिद के सहारे हराकर विपरीत परिस्थितियों को पार करने पर ही सफलता कदम चूमती है। कोच अखिल ने कहा कि उन्हे पूरा विश्वास है कि अनन्या भविष्य में भी होने वाली प्रतियोगिताओं में यू ही देश के लिए गोल्ड मेडल लाती रहेगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर निखिल, बॉक्सिंग कोच संजीव, राष्ट्रीय खिलाड़ी ज्योति यादव, जग महेंद्र शर्मा, लीलाराम, राजेश शर्मा विजय सुशील, सोनू, विनय, जय सिंह, निर्मला देवी, हेमंत, हिमांशु, सुरेंद्र, जोगिंद्र, अभिमन्यु, बंटी, अनिल, अजय, हनुमान प्रसाद, लुक्का ने बेटी अनन्या को आशीर्वाद दिया।

तुरंत मिल सकता है 20 हजार रुपये का लोन, पे-स्लिप भी जरूरी नहीं

सुझाव | बिजनेस डेस्क

कभी-कभी जिंदगी में अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है। कोई मेडिकल इमरजेंसी, घर में कोई परेशानी या जरूरी खर्च, लेकिन अगर आपकी कोई सैलरी नहीं है, तो लोन मिलना मुश्किल लग सकता है। ऐसे में आदमी परेशान हो जाता है। हालांकि ऐसी स्थिति में भी आपको घबराना नहीं चाहिए, बल्कि सूझबूझ से काम लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि आज कई डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म ऐसे लोगों को भी लोन दे रहे हैं, जिनके पास सैलरी स्लिप नहीं है। यानी अगर आप पारंपरिक नौकरीपेशा नहीं हैं, तब भी 20,000 रुपये तक का लोन बड़ी आसानी से आपको मिल सकता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि आप कैसे बिना सेलरी स्लिप के भी बड़े आराम से 20000 रुपये तक का लोन लेकर अपने खर्च को चला सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा परेशान होनी की भी जरूरत नहीं है। सिर्फ आपको अपना क्रेडिट स्को मेंटेन करना है। लोन के लिए क्रेडिट स्कोर 300 से 900 के बीच होना जरूरी है। यह आपके लोन चुकाने की क्षमता को दर्शाता है।

लोन लेने से पहले ध्यान दें

क्रेडिट स्कोर
लोन के लिए क्रेडिट स्कोर बहुत जरूरी होता है। यह 300 से 900 के बीच का एक नंबर होता है, जो आपकी लोन चुकाने की क्षमता बताता है। अगर आपका स्कोर 750 से ऊपर है, तो बिना सैलरी स्लिप के भी लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

इनकम प्रूफ
अगर आप खुद का बिजनेस करते हैं या फ्रीलांसर हैं, तो इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर), बैंक स्टेटमेंट या इनकम सर्टिफिकेट से अपनी आमदनी दिखा सकते हैं।

गारंटर या गिरवी
अगर आपके पास सैलरी नहीं है, तो कुछ बैंक या लेंडर गारंटर या कोई संपत्ति गिरवी रखने पर लोन दे सकते हैं। गारंटर की स्थायी इनकम आपके लोन अप्रूवल में मदद कर सकती है।

सिक्योर्ड लोन विकल्प
अगर आप कोई गहना या अन्य संपत्ति गिरवी रखते हैं, तो सिक्योर्ड लोन लेना आसान हो सकता है। इससे लेंडर को भरोसा होता है कि लोन वापस मिलेगा।

पुराने लेंडर से संबंध
अगर आपने पहले किसी लेंडर से लोन लिया है और समय पर चुकाया है, तो वह आपको दोबारा आसानी से लोन दे सकता है – भले ही सैलरी स्लिप न हो।

को-अप्लिकेंट के साथ लोन लें
अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ लोन अप्लाई करते हैं जिसकी क्रेडिट हिस्ट्री अच्छी हो, तो लोन मिलने के चांस बढ़ जाते हैं।

जरूरी डॉक्युमेंट्स
■ **केवाईसी डॉक्युमेंट्स** : आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि ■ **पते का प्रमाण** : बिजली बिल, रेंट एग्रीमेंट, राशन कार्ड ■ **वैकल्पिक इनकम प्रूफ** : बैंक स्टेटमेंट, आईटीआर, या बिजनेस से जुड़ा कोई दस्तावेज ■ लोन अप्लाई करने का प्रोसेस ■ सभी डॉक्युमेंट्स तैयार रखें ■ केवाईसी पते का प्रमाण और इनकम प्रूफ साथ रखें ताकि प्रोसेस जल्दी हो सके।

एलिजिबिलिटी चेक करें
लोन अप्लाई करने से पहले बैंक या ऐप पर अपनी योग्यता चेक करें। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत होगी और लोन मिलने में आसानी भी होगी।

लोन अमाउंट और अवधि तय करें
ईएमआई कैलकुलेटर का इस्तेमाल करके देखें कि 20,000 रुपये का लोन कितनी ईएमआई में चुकाया जा सकता है। इससे आपकी योजना मजबूत बनेगी।

क्या कहते हैं जानकार
बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी को इमरजेंसी में पैसों की जरूरत है, तो बैंक से मदद ली जा सकती है। उनका कहना है कि बैंक तात्कालिक जरूरतों के लिए टेम्परारी ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, ग्राहक पर्सनल लोन भी ले सकते हैं।" पर्सनल लोन पर ब्याज दर 10% से 24% सालाना तक हो सकती है, जो हर बैंक में अलग-अलग होती है। इसकी अवधि आमतौर पर 1 साल से 3 साल तक हो सकती है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- ईटीएफ एक आकर्षक निवेश का विकल्प बन रहे
- बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती
- निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे

चांदी का वॉल्यूम 313 करोड़ रुपये पर पहुंचा, इस गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग जबरदस्त बढ़ी

लगातार चमक रही चांदी, इसके आगे सोना फेल, सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुना तेजी आई

फिजिकल गोल्ड में निवेश करने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, और इसके साथ ही यह जागरूकता भी बढ़ रही है कि खरीदे गए सोने की शुद्धता की जांच जरूरी है। लोग अब जांच परख के बाद ही सोना खरीद रहे हैं।

इस साल चांदी की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। चांदी की रफ्तार के आगे सोना भी फेल हो गया। हालांकि सोने ने भी इस अपना सर्वकालिक उच्च सतर हासिल किया है, लेकिन देखा जाए तो चांदी सोने से काफी आगे निकली है। इस साल सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुण तक की तेजी देखने को मिली है। गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा जारी किए गए डेटा के मुताबिक, पूरे इंडस्ट्री का कुल वॉल्यूम लगभग 2.9 गुना बढ़कर 644 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 224 करोड़ रुपये पर था। इस तेज बढ़त से यह साफ है कि त्योहारों के मौके पर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) एक आकर्षक निवेश विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। स्थानीय निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसे में सिल्वर ईटीएफ निवेश का सबसे बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ में बीते एक साल में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। 30 अप्रैल 2025 तक इनका ट्रेडिंग वॉल्यूम 130 करोड़ से 2.5 गुना बढ़कर 331 करोड़ हो गया। हालांकि, सिल्वर ईटीएफ की बात करें तो इसने भी शानदार प्रदर्शन किया। इसका वॉल्यूम 95 करोड़ से 3.3 गुना की जबरदस्त ग्रोथ लेकर 313 करोड़ पहुंच गया। ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिहाज से सिल्वर ईटीएफ इस साल का सबसे तेज ग्रोथ देने वाला सेगमेंट बन गया। इसने इस मामले में सोने को भी पीछे छोड़ दिया।

ईटीएफ में तेजी की वजह

सुविधा
ट्रेडिंग वॉल्यूम में आई इस तेज बढ़ोतरी के पीछे कई अहम कारण हैं। जैसे निवेशकों को सोने या चांदी में निवेश करने के लिए अब उसकी शुद्धता या सुरक्षित स्टोरेज की चिंता नहीं करनी पड़ती। ईटीएफ को शेयर की तरह ही डिमैट अकाउंट के जरिए खरीदा-बेचा जा सकता है। इससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती और इसे खरीदना और बेचना बेहद आसान है। इसमें एसआईपी की तरह ही निवेश किया जा सकता है।

लागत में बचत
फिजिकल गोल्ड खरीदने पर मेकिंग चार्ज, स्टोरेज खर्च और शुद्धता का जोखिम जुड़ा होता है। इसके मुकाबले ईटीएफ में लेनदेन की लागत कम होती है और बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती। इसलिए यह निवेश का एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आ रहा है और निवेशकों को मालामाल कर रहा। इसलिए इस सेगमेंट में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है।

निवेशकों की रुचि
पारंपरिक रूप से अक्षय तृतीया पर फिजिकल गोल्ड की बिक्री में तेजी देखने को मिलती है। अब यही रुझान एक्सचेंज पर भी नजर आ रहा है। इंडस्ट्री लेवल पर गोल्ड ईटीएफ का टर्नओवर सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़ा है, जबकि सिल्वर ईटीएफ का टर्नओवर 3.3 गुना बढ़ा है। सिल्वर की तेज बढ़त यह संकेत देती है कि निवेशक अब सिर्फ गोल्ड तक सीमित नहीं हैं और पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन की ओर बढ़ रहे हैं। उदाहरण के लिए बता दें कि वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का औसत डेली वॉल्यूम, कुल ईटीएफ टर्नओवर का लगभग 60% था। यह दर्शाता है कि इन प्रोडक्ट्स की पकड़ भारतीय बाजार में लगातार मजबूत हो रही है।

लोअर इम्पैक्ट कॉस्ट्स भी ईटीएफ को बना रहे आकर्षक
अक्षय तृतीया के दिन इंडस्ट्री-वाइड आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में औसत इम्पैक्ट कॉस्ट 20 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) रही। हालांकि, कुछ प्रमुख ईटीएफ में यह लागत सिर्फ 2 बीपीएस तक ही रही। सिल्वर ईटीएफ में औसतन इम्पैक्ट कॉस्ट 32 **bps** रही, लेकिन सबसे ज्यादा लिक्विड ईटीएफ में यह घटकर लगभग 3 बीपीएस तक आ गई। हाई लिक्विडिटी से ईटीएफ अपने अंडरलाइन एसेट प्राइस को बेहतर तरीके से ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों को ज्यादा सटीक एक्सपोजर मिलता है।

क्या पोर्टफोलियो में गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ शामिल करना चाहिए
हालांकि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, लेकिन इनकी भूमिका पोर्टफोलियो में एकदम खास होती है। वैल्यू रिसर्च इसे विस्तार से समझाता है।

■ डाइवर्सिफायर (विविधता लाने वाले एसेट): ऐतिहासिक रूप से गोल्ड और सिल्वर का इक्विटी मार्केट से कम संबंध होता है। इस वजह से ये पोर्टफोलियो में जोखिम को कम करने में मददगार साबित होते हैं।

■ बेशकीमती धातु (प्रेशियस मेटल्स): आमतौर पर महंगाई बढ़ने या भू-राजनीतिक तनाव के समय बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हालांकि, ये एसेट ग्रोथ देने वाले प्रमुख निवेश विकल्प नहीं माने जाते।

■ लॉन्ग टर्म में इक्विटी ने गोल्ड और सिल्वर दोनों से बेहतर रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, पिछले एक दशक में गोल्ड ने औसतन 7-8% सालाना रिटर्न दिया है, जबकि इक्विटी मार्केट ने करीब 12-14% सालाना रिटर्न दिया है।

■ सिल्वर की बात करें तो उसमें थोड़ा अलग ट्रेंड देखा जाता है, क्योंकि यह आंशिक रूप से एक इंडस्ट्रियल मेटल भी है। इसलिए इसकी कीमतें मैन्युफैक्चरिंग डिमांड और निवेशकों की धारणा दोनों से प्रभावित होती हैं। यही वजह है कि सिल्वर ईटीएफ थोड़े ज्यादा वोलाटाइल हो सकते हैं, लेकिन जो निवेशक जोखिम समझते हैं उनके लिए यह एक दिलचस्प डाइवर्सिफायर बन सकता है।

समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें

पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां को दे सकते हैं कुछ खास तोहफे

जानकारी | बिजनेस डेस्क

इस बार मदर्स डे पर आप अपनी मां के लिए कुछ खास प्लान कर सकते हैं। कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा, बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप अपनी मां को भेंट कर सकते हैं।

मदर्स डे यानी मां के नाम एक खास दिन। इस बार 11 मई, रविवार को हम सब अपनी मां के लिए कुछ खास करने की तैयारी में हैं। ये दिन हर उस मां के लिए समर्पित होता है जो अपने बच्चों की तरक्की के लिए बिना थके, बिना किसी उम्मीद के लगातार योगदान देती हैं। इस दिन बच्चे अपनी मां को खुश करने के लिए उन्हें सरप्राइज गिफ्ट देते हैं, बाहर खाना खिलाने ले जाते हैं या फिर घर पर खुद खाना बनाते हैं। लेकिन इस बार आप मां को कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप मदर्स डे पर अपनी मां को भेंट कर सकते हैं। अगर आप इस बार एक समझदारी भरा और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो फाइनेंशियल गिफ्ट्स पर जरूर सोचें। ये गिफ्ट्स मां को टैक्स बचाने, बेहतर रिटर्न पाने और हेल्थ कवर जैसे फायदे भी दे सकते हैं।

1. पीपीएफ (पब्लिक प्रॉविडेंट फंड)
पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक सुरक्षित और टैक्स बचत वाली स्कीम है, जिसमें हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये और अधिकतम 1,50,000 रुपये तक निवेश किया जा सकता है। इसमें खाता खुलने के तीसरे साल से छठे साल तक लोन की सुविधा मिलती है, जबकि सातवें साल से हर साल आंशिक निकासी की अनुमति भी होती है। ऐसे में यह खाता 15 साल में मैच्योर होता है, लेकिन इसे 5-5 साल के ब्लॉक में जितनी बार चाहें बढ़ाया जा सकता है। परिपक्वता के बाद बिना नया निवेश किए भी खाता चालू रखा जा सकता है और ब्याज मिलता रहेगा। खाते में जमा राशि पर आयकर की धारा 80-सी के तहत टैक्स छूट मिलती है और ब्याज पूरी तरह टैक्स फ्री होता है (धारा 10)। साथ ही, इस खाते की राशि कोर्ट के किसी आदेश से जब्त नहीं की जा सकती।

2. फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)
मां को आप फिक्स्ड डिपॉजिट का गिफ्ट भी दे सकते हैं। इसमें सालाना 6-7% ब्याज मिलता है। हालांकि ब्याज पर टैक्स लगता है, लेकिन अगर आपकी मां वरिष्ठ नागरिक हैं और उनकी आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो वो फॉर्म 15जी/15एच भरकर टीडीएस से छूट ले सकती हैं। यह भी मां के लिए एक खास गिफ्ट हो सकता है।

3. हेल्थ इंश्योरेंस
अगर आपकी मां के पास पहले से एक हेल्थ पॉलिसी है, तब भी आप उन्हें एक अतिरिक्त हेल्थ कवर गिफ्ट कर सकते हैं। मान लीजिए उनके पास 5 लाख की पॉलिसी है और आप उन्हें 5 लाख रुपये की एक और पॉलिसी गिफ्ट करते हैं, तो उनका कुल मेडिकल कवर 10 लाख रुपये हो जाएगा। यह गिफ्ट मात्र 6,000 से 10,000 रुपये के बीच में मिल सकता है। इससे उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंता खत्म होगी।

4. सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम
अगर आपकी मां की उम्र 60 साल से ज्यादा है, तो आप उनके नाम से सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) में खाता खुलवाकर उन्हें एक शानदार तोहफा दे सकते हैं। इस स्कीम में अभी 8.20% सालाना ब्याज मिल रहा है। यह योजना न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि नियमित आय का भी जरिया बन सकती है।

5. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी)
अगर आप मां को इस बार सोना गिफ्ट करना चाहते हैं, तो फिजिकल गोल्ड की जगह सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करें। इसमें सोने की कीमत के साथ ब्याज भी मिलता है। यह निवेश न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि लंबे समय में अच्छा रिटर्न भी देता है।

घर की रजिस्ट्री में पत्नी का भी नाम डालें, 3 लाख तक की बचत होगी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रियल एस्टेट में निवेश कर टैक्स बचाना चाहते हैं तो आप मकान की रजिस्ट्री में पत्नी का नाम भी डालें। इससे आप तीन लाख रुपये तक का टैक्स बचा सकते हैं। अक्सर कहा भी जाता है कि रियल एस्टेट निवेश के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। बढ़ती आबादी और तेज शहरीकरण के चलते हाउसिंग सेक्टर कुछ साल से अच्छी ग्रोथ भी देख रहा है। इस सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2016 में रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) स्थापित की थी। इसका उद्देश्य रियल एस्टेट में पारदर्शिता लाना, जवाबदेही तय करना, दक्षता बढ़ाना और घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। इससे निवेशकों के बीच रियल एस्टेट को लेकर भरोसा बढ़ा है। इस सेक्टर में निवेश करके आप खुद के घर का सपना भी पूरा कर सकते हैं। इसके साथ ही न सिर्फ अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं, बल्कि आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत टैक्स बेनिफिट्स भी ले सकते है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ तरीके, जिससे आप निवेश के साथ टैक्स भी बचा पाएंगे और अपने घर के साथ -साथ अच्छा मुनाफा व बचत भी कर पाएंगे। ये टिप्स आपके लिए बेहद जरूरी हो सकते हैं।

स्टाम्प ड्यूटी की छूट
घर की कीमत पर स्टाम्प ड्यूटी लगती है। धारा 80सी के तहत इस पर आप 1.50 लाख रुपये तक छूट ले सकते हैं। यदि ड्यूटी इससे ज्यादा हो, तो दो या ज्यादा लोगों के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर सभी को समान छूट मिलेगी। यानी पत्नी के साथ मिलकर इस छूट को 3 लाख रुपये तक पहुंचा सकते हैं। इसलिए मकान खरीदने के दौरान रजिस्ट्री में आप अपनी पत्नी का नाम जोड़ सकते हैं।

ब्याज पर कटौती
यदि आप मकान खरीदने के लिए लोन लेते हैं तो ऐसी स्थिति में चुकाए गए ब्याज पर इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 24 के तहत कुल आय में 2 लाख रुपये तक कटौती का लाभ ले सकते हैं। मूलधन पर भी धारा 80सी के तहत 1.50 लाख तक छूट पा सकते हैं।

एक घर बेचा, दूसरा मकान खरीदने पर छूट
यदि आप एक रेसीडेंशियल प्रॉपर्टी बेचकर दूसरा मकान खरीदना चाहते हैं, तो धारा 54 आपकी मदद करेगी। इसके तहत पुरानी प्रॉपर्टी बेचने से जितना भी प्रॉफिट हुआ, यदि उस पूरी रकम से आप कोई नई प्रॉपर्टी खरीदते हैं तो पुरानी प्रॉपर्टी से हुए मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। शर्त ये होगी कि बेची और खरीदी गई, दोनों प्रॉपर्टी रेसिडेंशियल ही हों। यदि आप जमीन जैसी कोई अन्य प्रॉपर्टी बेचकर तैयार मकान खरीदना चाहते हैं, तो ऐसी स्थिति में भी आयकर कानून की धारा 54एफ के तहत छूट मिलेगी। लेकिन यह कटौती समान कानून की धारा 54 के तहत मिली छूट से कम होगी।

प्रॉपर्टी न्यूनतम 24 माह होल्ड करना अच्छा
यदि आप खरीदी हुई प्रॉपर्टी को न्यूनतम 24 महीने अपने पास रखने के बाद बेचते हैं तो आपको 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स चुकाना होगा। यदि इससे पहले प्रॉपर्टी बेचते हैं तो आपको नॉर्मल स्लैब रेट से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ेगा।

एसआईपी निवेश ने बनाया रिकॉर्ड, लेकिन इक्विटी फंड में घटा

प्लान | बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड एयूएम 70 लाख करोड़ के ऑल टाइम हाई पर

अप्रैल 2025 में भले ही शेयर बाजार में तेजी आई। एसआईपी निवेश ने रिकॉर्ड बनाया, लेकिन इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशक सतर्क रहे। इसी के चलते इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश अप्रैल में 3.24 फीसदी घटकर 24,269 करोड़ रुपये रहा है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की के चलते बाजार में जारी अस्थिरता के बीच यह गिरावट आई है। हालांकि अप्रैल महीने में एसआईपी के जरिए निवेश ने रिकॉर्ड बनाया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार एसआईपी योगदान अप्रैल में 2.7% बढ़कर 26,632 करोड़ रुपये रहा, जो कि मार्च में 25,926 करोड़ रुपये था। ग्रॉस इनफ्लो अप्रैल में नई ऊंचाई पर पहुंच गया और दिसंबर 2024 के 26,459 करोड़ रुपये के आंकड़े के पार निकल गया। इक्विटी फंड में लगातार चौथे महीने निवेश में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन यह लगातार 50वां महीना रहा, जब म्यूचुअल फंड योजनाओं में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़

डेट फंड में 2.19 लाख करोड़ का निवेश
डेट फंड में भी अप्रैल महीने में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अप्रैल में 2.77 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 1.64 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इस निवेश से इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट अप्रैल में बढ़कर रिकॉर्ड 70 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो मार्च के अंत में 65.74 लाख करोड़ रुपये था।

इक्विटी फंड में क्यों घटा निवेश
इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़ रुपये, फरवरी के 29,303 करोड़ रुपये, जनवरी के 39,688 करोड़ रुपये और दिसंबर के 41,156 करोड़ रुपये से कम है। हालांकि यह मार्च के 25,082 करोड़ रुपये की तुलना में 3.24 फीसदी की मामूली गिरावट दर्शाता है, लेकिन फ्लो का वॉल्यूम महत्वपूर्ण बना हुआ है। खासकर चुनौतीपूर्ण ग्लोबल माहौल व 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन के बीच।

इक्विटी फंड : किस श्रेणी में कितना निवेश
इक्विटी फंड कैटेगरीज में, फ्लेक्सी कैप फंड में अप्रैल में सबसे अधिक 5,542 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. हालांकि, इक्विटी से जुड़ी बचत योजनाओं से 372 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई. अप्रैल में मिड-कैप और स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंडों में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही, जिसमें 3,314 करोड़ रुपये और 4,000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. मार्च में 2,479 करोड़ रुपये की तुलना में लार्ज-कैप फंड को 2,671 करोड़ रुपये मिले।

इसे ऐसे समझें
- **लार्जकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,479.31 करोड़ से बढ़कर 2,671.46 करोड़ रुपये
- **मिडकैप फंड्स :** इनफ्लो 3,438.87 करोड़ से घटकर 3,313.98 करोड़ रुपये
- **स्मॉलकैप फंड्स :** इनफ्लो 4,092.12 करोड़ से घटकर 3,999.95 करोड़ रुपये
- **फ्लेक्सी कैप फंड्स :** इनफ्लो 5,615 करोड़ से घटकर 5,542 करोड़ रुपये
- **मल्टीकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,752.98 करोड़ से घटकर 2,551.71 करोड़ रुपये

क्या है इक्विटी फंड
इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी शेयरों में निवेश करता है। इक्विटी फंड का उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करना होता है और यह निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

इक्विटी फंड की मुख्य विशेषताएं
1. **इक्विटी शेयरों में निवेश:** इक्विटी फंड इक्विटी शेयरों में निवेश करते हैं जो विभिन्न कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **लंबी अवधि का निवेश:** इक्विटी फंड लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लिए उपयुक्त होते हैं।
3. **जोखिम:** इक्विटी फंड में जोखिम होता है क्योंकि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

इक्विटी फंड के कुछ मुख्य फायदे
1. **पूंजी वृद्धि:** इक्विटी फंड लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करने में मदद कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं जिससे जोखिम कम होता है।
3. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।

हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 11 मई2025

एचडी स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

चरखी दादरी। मातृ दिवस पर एचडी पब्लिक स्कूल बिरोहड़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वयं विद्यार्थियों की माताओं को आमंत्रित किया गया। स्कूल के वालंटियर्स ने माताओं का तिलक कर एवं सम्मान स्वरूप बैज पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में निदेशक बलराज फोगाट ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता ही बच्चे के पहले गुरु होते हैं और उनकी दी गई सीख ही आगे चलकर उसे एक अच्छा इंसान बनाती है।

खबर संक्षेप

किसान नेता कमल सिंह दमकोरा का निधन

लोहारू। किसान नेता कमल सिंह दमकोरा का बीते दिवस हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे लगभग 67 वर्ष के थे तथा पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव दमकोरा में किया। वे अपने पीछे नाती पौत्रों का भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर भाकियू के जिला प्रधान मेवा सिंह आर्य, किसान सभा के दयानंद पूनिया, बलबीर सिंह ठाकन, भाकियू खंड प्रधान रवींद्र कस्वां, पृथ्वी सिंह गोठड़ा आदि ने कहा कि कमल सिंह दमकोरा किसानों की हितों की लड़ाई के लिए सदैव तत्पर रहते थे।

आईडियल स्कूल में अध्यापक प्रशिक्षण शिविर

भिवानी। चांग स्थित आईडियल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अध्यापक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रशिक्षिका नीतू जावला तथा तरंग गौड़ ने अध्यापकों को प्रशिक्षण देने का महत्वपूर्ण कार्य किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। विद्यालय निदेशक अशोक मुंजाल, प्राचार्य नवीन पारीक, प्राइमरी हैड चारू मेहता, विद्यालय प्रबंधक समिति के सदस्य मा. सोमप्रकाश, सुनील रहेजा, हरीश रहेजा आदि उपस्थित रहे।

विधायक सांगवान ने शहीद अमित को दी श्रद्धांजलि

चरखी दादरी। विधायक सुनील सांगवान ने गांव सारंगपुर निवासी भारतीय सेना के सपूत अमित सांगवान की शहादत पर उनके निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि दी और परिवार को ढांढस बंधाया। विधायक सांगवान ने कहा कि अमित सांगवान ने देश सेवा के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी है, उनका ये बलिदान न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि क्षेत्र व पूरे राष्ट्र के लिए गर्व और दुःख का विषय है।

मां शब्द अपने आप में ही परिपूर्णः जाखड़

चरखी दादरी। नवयुग विद्यालय में निदेशक अजय जाखड़ की अध्यक्षता में मदर्स डे पर कार्यक्रमों का आयोजन किया। बच्चों ने पेंटिंग, भाषण, कविताओं, स्लोगन व अन्य कलाकृतियों के सहयोग से जीवन में मां के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मां परमात्मा से भी बढ़कर होती है।

जिलेभर के स्कूलों में रही कार्यक्रमों की धूम

लिटल हार्टस ग्रुप ऑफ स्कूल्स में मातृ दिवस पर माताओं ने बिखेरे रंग

फैशन शो में सपना ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए मिसेज लिटल हार्टियन का खिताब हासिल किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मदर्स डे पर लिटिल हार्टस स्कूल में हुआ कार्यक्रम फोटो : हरिभूमि

कुसुम्भी मोड़ स्थित लिटल हार्टस पब्लिक स्कूल, देवसर में आज मदर्स-डे के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रबंधक सतीश गोयल, एम.डी. पवन गोयल व भावना गोयल ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों की माताओं को आमंत्रित किया गया व उनके मध्य विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया जिनमे से फैशन शो, कुकिंग विदआउट फायर, मेहंदी रचाओ, नृत्य व गायन प्रतियोगिताएँ मुख्य रही जिनके अन्तर्गत सभी माताओं ने बढ़-चढ़ कर बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लिया व एक से बढ़कर एक प्रस्तुती दी। फैशन शो प्रतियोगिता में सपना ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए मिसेज लिटल हार्टियन का खिताब हासिल किया व रिंकी प्रथम रनर अप व मीनू द्वितीय रनर अप रहे। कुकिंग विदआउट फायर प्रतियोगिता में पुनम ने प्रथम, प्रियंका ने द्वितीय व सीमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किए। मेहंदी प्रतियोगिता में काजल ने प्रथम, ममता ने द्वितीय व रेखा ने तृतीय स्थान प्राप्त किए व नृत्य प्रतियोगिता में प्रिती ने प्रथम, मंजु ने द्वितीय व करिश्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किए। इस अवसर पर जज की भूमिका उषा बंसल व नीटा चावला जी ने निभाई।

विद्यालय के निदेशक रामानन्द सिंघल व ऐश्वर्या सिंघल, मेघा जैन, राहुल गोयल, विनय गोयल, निश्चल गोयल, साक्षी गोयल व प्रियांश गोयल ने मातृ-दिवस पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विद्यालय द्वारा समय-समय पर आयोजित इस प्रकार की गतिविधियों व प्रतियोगिताओं में बच्चों व अभिभावकों द्वारा अधिक से अधिक रूप में भाग लेना बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर प्राचार्य दीपक जोशी, उप-प्राचार्य सुदेश तुलस्यान, बबीता, अंजना, अनुराधा, दीपिका, पुनम शर्मा, कोमल, सोनिया, सीमा भाटी, प्रिया, नीरू सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

जी लिट्रा वैली में माता ने रैंप वॉक किया

भिवानी। जी लिट्रा वैली विद्यालय में मां के महत्व को दर्शाते हुए मातृ दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशासक एस. के. हलवासिया, ट्रस्टी अमन गर्ग, शैक्षणिक निर्देशिका दिव्या गर्ग प्राचार्या सीमा मक्कर ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सरस्वती वंदना का सस्वर वाचन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के अनेक विद्यार्थियों के माताएं अपने बच्चों के साथ स्कूल में उपस्थित हुई उपस्थित माता ने रैंप वॉक, नृत्य,चिट चैट काउंटिंग गेम व सामूहिक नृत्य में प्रतियोगिता की। कक्षा नर्सरी के बच्चों ने अपनी माता के पांव धोकर उनके प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। विद्यालय केअनेक छात्र-छात्राओं ने कविता, गीत व भाषण के माध्यम से अपनी माता के प्रति इस अमूल्य जीवन के लिए आभार किया। प्रतियोगिता में विजेता सभी माता को प्राचार्य द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया।

मातृ शक्ति को सम्मानित करते अतिथि व शिक्षिकाएं।

वैश्य स्कूल में बच्चों ने सुनाई मनमोहक कविताएं

चरखी दादरी। वैश्य वमा विद्यालय में मातृ दिवस पर हर्षोल्लास पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलन करके की गई, जिसके पश्चात भावपूर्ण वंदना के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस आयोजन का सफल नेतृत्व कार्यकारी प्राचार्य विमल सिंह ने किया। वैश्य एजुकेशन सोसाइटी के पदाधिकारियों ने बतौर मुख्यतिथि मातृशक्ति की उपस्थिति ने बढ़ाई। प्राथमिक विभाग द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करते हुए मनमोहक कविताएं, नृत्य और गीत प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम की खास बात रही कि आमंत्रित मातृशक्ति ने विभिन्न मनोरंजक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और पुरस्कार प्राप्त किए।

बच्चों ने पोस्टर मेकिंग, कार्ड मेकिंग ड्रॉइंग बनाकर मां के प्रति स्नेह दर्शाया

चरखी दादरी। कस्बा बौंदकलां स्थित आदर्श वमा विद्यालय में शुक्रवार को मातृ दिवस एवं बुद्ध पूर्णिमा का त्यौहार मनाया। नन्हे-मुन्हें बच्चों ने विद्यालय प्रांगण को अपने हाथों से रंग-बिरंगे गुब्बारों, लड़ियों और पोस्टर से सजाया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका थीम 'मां' रहा, जिसमें बच्चों ने अपनी मां के लिए विशेष कविताओं, गीतों की प्रस्तुति दी। कक्षा नर्सरी के बच्चों ने 'तेरी ऊंगली पकड़ के चला' गाने पर नृत्य किया। इसके साथ ही पोस्टर मेकिंग, कार्ड मेकिंग, ड्रॉइंग प्रतियोगिताओं में बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अपने नन्हें-नन्हें हाथों से अपनी मां के लिए बहुत सुंदर कार्ड बनाकर मां के प्रति अपना स्नेह दर्शाया। विद्यालय प्रबंधक प्रताप सिंह यादव ने बताया कि मां अपने बच्चों के प्रति जीवनभर समर्पित होती है।

मुश्किल समय को आसान बना देती है मांः डॉ. श्योराण

भिवानी। लोहारू रोड उत्तम नगर स्थित आदर्श शिक्षण संस्थान में मातृ दिवस पर कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर संस्था निदेशक डॉ. राजेश श्योराण ने कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ की और समस्त माताओ का तिलक लगाकर अभिनन्दन किया। विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, कविता, भाषण व कार्ड मेकिंग के माध्यम से अपनी माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। बच्चों ने कुकिंग विद आउट फायर के द्वारा बनाए व्यंजन माताओं को खिलाएं, जिससे माताएं काफी खुश नजर आई। उन्होंने बताया कि सभी का अस्तित्व में आना ही मां की देन है। बच्चा कितना ही बड़ा क्यों न हो जाए, उसके स्वास्थ्य, सुरक्षा और भविष्य की फिक्र एक मां को हमेशा रहती है। वैसे मां के समर्पण और प्रेम की कीमत पूरी जिंदगी में कभी नहीं चुकाई जा सकती, लेकिन उनके प्रेम और आशीर्वाद के लिए उनका आभार व्यक्त किया जा सकता है।

मां जिंदगी की पहली टीचर एवं मां जैसी ममता किसी रिश्ते में नहीं: बीके वसुधा

चरखी दादरी। मां जिंदगी की पहली टीचर होती है, मां जैसी ममता किसी रिश्ते में नहीं होती, वास्तव में मां बालक का तन मन धन के साथ समय संकल्प से उसका सर्वांगीण विकास करती है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस के उपलक्ष्य में स्वस्थ व स्वच्छ परिवार के लिए माताओं की भूमिका विषय पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को संबोधित करते हुए सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि एक मां ही परिवार रूपी रथ का आधार होती है।

माताओं को किया सम्मानित

भिवानी। पब्लिक स्कूल बाल भवन विद्यालय में मातृ दिवस का आयोजन किया गया। कक्षा नर्सरी, एल.के.जी., यू.के.जी. के विद्यार्थियों की माताओं को स्कूल में आमंत्रित किया गया। कक्षा नर्सरी अध्यापिका रूही, कक्षा के.जी. की अध्यापिका रजनी, कक्षा यू.के.जी. की अध्यापिका गीता अरोड़ा द्वारा छोटे-छोटे बच्चों का नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित माताओं के द्वारा कई सामूहिक गतिविधियां करवाई गईं और उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। प्रधानाचार्या मंजूषा ने सभी को मातृ दिवस की बधाई देते हुए बताया कि माताओं को बच्चों के साथ घर की चार दिवारी से बाहर निकलने का और अपनी जिंदगी को भी जीने का एक अवसर मिलता है। माताएं अपने बच्चों की परवरिश में कहीं ना कहीं अपनी ही जिंदगी को भूल जाती हैं, जिस जिंदगी को वह अपने बच्चों के साथ इस दिन को मना कर सांझा करती हैं।

53 युवाओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

स्वर्गीय सुरेश शर्मा की पुण्यतिथि पर नई पहल करते हुए गांव मिरान के युवा क्लब ने शनिवार को गांव मिरान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में बतौर मुख्यअतिथि डॉक्टर सुनीता जनावा पहुंची तो शिविर की अध्यक्षता मास्टर मुकेश ओर भूपेंद्र भेरा ने की। इस दौरान 53 लोगों ने रक्तदान कर कैंसर पीड़ितों की मदद के अभियान में आहुति डाली। शिविर के सभी रक्तदाताओं को अतिथियों द्वारा बैज लगाकर व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की टीम रक्त एकत्रित करने पहुंची।

सेंट जेवियर्स स्कूल में मनाया मातृ दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मातृ दिवस पर माताओं को सम्मानित करे हुए। फोटो : हरिभूमि

सेंट जेवियर्स स्कूल में मां के महत्व को दर्शाते हुए मातृ दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल प्रबंधक मनीष सिंह, स्कूल निर्देशिका कीर्ति चौहान व प्रधानाचार्या उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया।

मुख्य अतिथियों व अभिभावकों का स्वागत पूर्ण रूप से करने के पश्चात मातृ दिवस आरंभ किया गया। कक्षा मांटेसरी से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों की माताएं अपने बच्चों के साथ उपस्थित हुई तथा नृत्य व अनेक प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से खेल खेले और आनंद उठाया। छात्रों ने अपनी संगीत प्रस्तुति देकर माताओं के प्रति अपना प्यार व्यक्त किया। जेवियर्स टीम ने छात्रों की माताओं का सम्मान कर मौके को और भी खास बना दिया। माताओं द्वारा सभी गतिविधियों को नियम पूर्ण खेलकर आनंद उठाया व पुरस्कार भी प्राप्त किए।

भिवानी। पूजा अराधना कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक घनश्यामदास सर्राफ व अन्य। फोटो : हरिभूमि

सेना, सीमा और सिंदूर की रक्षा के लिए कीं सामूहिक प्रार्थनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भगवान नरसिंह जन्मोत्सव एवं भगवान बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा हनुमान जोहड़ी मंदिर में चार दिवसीय पूजा, प्रार्थना एवं अराधना कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, ताकि राष्ट्र की सेना, सीमा एवं सिंदूर सुरक्षित रहे।

गीता मनीषी ज्ञानांद महाराज की प्रेरणा एवं महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में शनिवार को दूसरे दिन जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी व लोकनिर्माण विभाग मंत्री रणबीर गंगवा बतौर मुख्यतिथि पहुंचे। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधायक घनश्यामदास सर्राफ व भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक पहुंचे। एकत्रित लोगों ने भारतीय सेना के जवानों की सुरक्षा और सफलता के लिए विशेष यज्ञ व प्रार्थना की। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि ऐसी पहल न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करती है, बल्कि देशवासियों को सेना और सीमाओं के प्रति अपने कर्तव्यों की भी याद दिलाती है। हमारा उद्देश्य राष्ट्र की आत्मा, उसकी सेना, सीमाएं और संस्कृति सुरक्षित रहे तथा ये आयोजन हमारे सैनिकों के मनोबल को भी सुदृढ़ करता है। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन मामचंद प्रजापति, रमेश सैनी, विजय शर्मा, संजय शर्मा, रमेश टांक, रमेश पचेरवाल, विजय सिंहमार, धीरज सैनी, नरेश आहुजा, शिवकुमार चित्रकार, दिनेश दाधीच आदि मौजूद रहे।

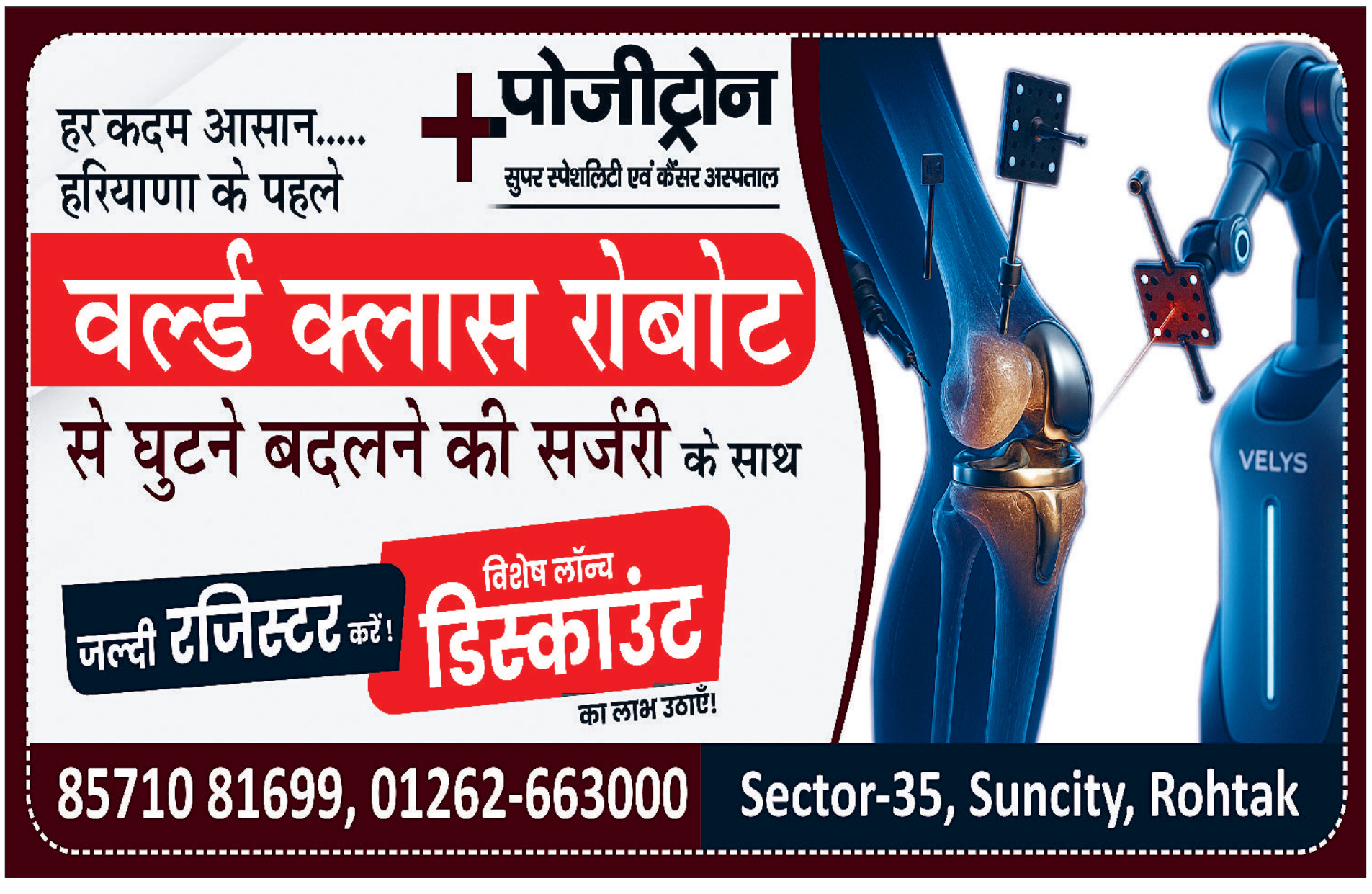

खबर संक्षेप

वार्ड 10 में समस्याओं का अंबार, कोई सुनवाई नही

लोहारू। करीब दो महीने पहले चुनाव जीतकर पार्षद बने शहर के कई वार्ड पार्षद इन दिनों अपने वार्ड में जनसमस्याओं का समाधान नहीं होने से काफी परेशान हैं। उन्होंने नगरपालिका प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाया है। शुक्रवार को वार्ड न. 10 के पार्षद जयसिंह सैनी ने नगर पालिका प्रशासन पर उनके वार्ड की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। जयसिंह सैनी ने कहा कि वार्ड की स्ट्रीट लाइटें खराब हैं। यहीं नही नालियों और गलियों की सफाई का कार्य भी नियमित रूप से नही हो पाता।

शिव धर्मशाला में धानक समाज की बैठक आज

भिवानी। बावड़ी गेट स्थित शिव धर्मशाला में 11 मई को सायं 4 बजे धानक समाज की बैठक का आयोजन किया जाएगा। अनिल डाबला, अनिल पेंटर, सुरेंद्र इंदौरा व भगवानदास कालिया ने बताया कि बैठक में भिवानी के धानक समाज को लेकर अभद्र टिप्पणी करने वाले के खिलाफ रोष जताया जाएगा।

निःशुल्क नशा मुक्ति मेडिसिन शिविर शुरू

बहल। विश्व मातृ दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज बहल द्वारा शनिवार से दो दिवसीय निशुल्क नशा मुक्ति मेडिसिन शिविर की शुरूआत की गई। शिविर के पहले ही दिन 20 से ज्यादा लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया और नशा मुक्ति की दिशा में कदम बढ़ाया। चिकित्सकों ने मरीजों की विभिन्न बीमारियों का उपचार किया व परामर्श दिया। शनिवार को शिविर की शुरूआत ब्रह्माकुमारीज केन्द्र संचालिका राजयोगिनी शकुंतला ने किया।

लिफ्ट पड़ी महंगी, एक लाख चोरी, बाइक सवार फरार

लोहारू। राजस्थान निवासी एक व्यक्ति को बाइक पर लिफ्ट लेनी महंगी पड़ गई। बाइक सवार दो युवक लिफ्ट लेने वाले व्यक्ति को झांसा देकर उसके एक लाख रुपये चोरी करके फरार हो गए। पुलिस को दी शिकायत में राजस्थान के भोजा का बास निवासी सुमेर सिंह ने बताया कि वह पिलानी बैंक से एक लाख रुपये निकलवाकर अपनी ससुराल भावठड़ी में गेहूं की राशि देने जा रहा था। इस दौरान वह लोहारू में सूरजगढ रोड पर बाइक पर लिफ्ट ली। रास्ते में ढाणी रहीमपुर गांव के पास सुमेर सिंह को आभास हुआ कि उसकी जेब कट चुकी है और एक लाख रुपये की राशि चोरी हो चुकी है। जैसे ही उसने बाइक रोकने के लिए कहा तो उन्होंने गति बढ़ा दी और युवक रुपये चोरी करके फरार हो गए।

ट्यूबवेल से मोटर व केबल चोरी, केस दर्ज

लोहारू। उपमंडल के गांव पहाड़ी में अज्ञात चोरी एक किसान के खेत में बने ट्यूबवेल से पानी की मोटर व उसकी केबल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में पहाड़ी निवासी किसान बलवान ने बताया कि उसका सेहर रोड पर खेत है तथा खेत में बने ट्यूबवेल में 900 मीटर बिजली की केबल और पानी की मोटर लगी हुई थी। अज्ञात चोर उसकी मोटर और केबल को चोरी कर ले गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनईपी को विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ बताया

विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

सीबीएलयू की कुलपति व कुलसचिव वे विश्वविद्यालय की छात्राओं के हित में नहीं उठाया कदम : मनजीत
सीबीएलयू में छात्राओं के आने-जाने के लिए वाहन व रहने के लिए हॉस्टल की करवाई जानी चाहिए सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान के नेतृत्व में एनएसयूआई पदाधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने स्थानीय चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलपति के नाम मांगपत्र सौंपते हुए विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। इस दौरान एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान ने आरोप लगाए कि चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलपति व कुलसचिव ने महिला होने के बावजूद भी छात्राओं के हित में आज तक कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की कुल संख्या में करीबन 70 प्रतिशत छात्राएं है, लेकिन इसके बावजूद भी इनके लिए आने-जाने के लिए किसी साधन की सुविधा नहीं है तथा ना ही दूर से आने वाली छात्राओं के रहने के लिए कोई छात्रा हॉस्टल की सुविधा। जिसके चलते छात्राओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस दौरान नई शिक्षा नीति का भी जमकर विरोध किया तथा इसे विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ बताया।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान ने कहा कि मांगपत्र के माध्यम से उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा अभी तक स्नातक व स्नातकोत्तर के अधिकत्तम विद्यार्थियों का दिसंबर-2024 का परीक्षा परिणाम जारी किया जाए, विभिन्न परीक्षा परिणामों की त्रुटियों को दूर किया जाए, स्पेशल चांस देकर करवाई गई 40 विद्यार्थियों की परीक्षाओं का परिणाम जारी किया जाए, वर्ष में दो बार की बजाए एक बार ही परीक्षाएं करवाए जाने सहित अन्य मांगें उठाई है, ताकि विद्यार्थियों के हितों से खिलवाड़ बंद हो। लांग्यान ने कहा कि जिन विद्यार्थियों का दाखिला एससी, डीएससी, बीसी व गरीबी रेखा को देखते हुए जीरो फीस के माध्यम से पीजी में लिया गया था लेकिन अब इन्हे फीस भरने के लिए मानसिक तनाव दिया जा रहा है, जो कि विद्यार्थियों के साथ धोखा है।

...तो प्रदर्शन करेंगे

लांग्यान ने कहा कि उन्होंने विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की गुहार सीबीएलयू प्रशासन के समक्ष लगाई है, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान करने की बजाए उन्हे बेईज्जत कर भगा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के प्रति सीबीएलयू प्रशासन की यह लापरवाही विद्यार्थियों में अपने भविष्य के प्रति डर का माहौल पैदा कर रही है। ऐसे में वे मांग करते है कि जल्द से जल्द विद्यार्थियों की सभी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए, ताकि नहीं तो एनएसयूआई बड़ा प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगी।

नौरंगाबाद की छात्रा साक्षी ने बुनियाद लेवल 3 परीक्षा में पाई सफलता

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। साक्षी को सम्मानित करती मुख्याध्यापिका सीमा सिंधु, पीटीआई मोतीलाल जांगड़ा व अन्य। फोटो: हरिभूमि

गांव नौरंगाबाद स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय की कक्षा आठवीं की छात्रा साक्षी पुत्री बहादुर सिंह ने बुनियाद लेवल 3 की परीक्षा पास की। छात्रा साक्षी की उपलब्धि पर स्कूल पहुंचने पर मुख्याध्यापिका सीमा सिंधु, पीटीआई मोतीलाल जांगड़ा रिंकू सहित स्टाफ सदस्यों ने साक्षी का स्वागत किया व उसे उपहार देकर सम्मानित किया। मुख्याध्यापिका सीमा सिंधु व पीटीआई मोतीलाल जांगड़ा ने बताया कि नौरंगाबाद स्कूल के लिए गर्व की बात हैं कि उनके स्कूल की छात्रा साक्षी ने बुनियाद लेवल 3 परीक्षा में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और सफलता हासिल की। साक्षी की सफलता से जहां स्कूल में खुशी हैं, वहीं उनके गांव व घर परिवार में भी खुशी हैं। सभी ने साक्षी के उज्जवल भविष्य के लिए उसे प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर सीमा सिंधु ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जरूरी नहीं कि आप ट्यूशन या कोचिंग लेकर आगे बढ़े, बल्कि स्कूल में पढ़ाया हुआ सिलेबस अच्छे से घर जाकर दोहराया जाए तो आपके सपनों साकार हो सकते हैं।

कर्ण सिंह गोठड़ा बने सोसाइटी के चेयरमैन

लोहारू। दी लोहारू मल्टीपरपज प्राइमरी एग्रीकल्चर कोआपरेटिव सोसाइटी के संपन्न हुए चुनाव में गांव गोठड़ा निवासी पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी कर्ण सिंह श्योराण को चेयरमैन चुन लिया गया है। नवनियुक्त चेयरमैन कर्ण सिंह ने इसके लिए सभी सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने बताया कि फरटिया केहर निवासी कुलबीर सिंह को सर्वसम्मति से वाइस चेयरमैन चुना गया। उन्होंने कहा कि वे सभी सदस्यों को साथ लेकर कृषि और किसान विकास में काम करेंगे। किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने पर काम किया जाएगा। लोहारू क्षेत्र किसान बाहुल्य है। इसलिए कृषि क्षेत्र में कार्य करना बहुत जरूरी है। उमेद सिंह विकास अधिकारी, भूप सिंह छिल्लर इन्स्पेक्टर, महिपाल सिंह प्रबंधक, जगदीश जांगड़ा, मंजीत सिंह, कुलबीर सिंह, सुशील कुमार, महेंद्र सिंह, रणधीर सिंह, राजबीर सिंह मौजूद थे।

मार्केट न्यूज

मातृत्व को समर्पित है 25 वर्षों से बोहरा हस्पताल

भिवानी। उन माताओं को सलाम,जिनकी संताने सेना में भर्ती होकर देश की सेवा कर रही है। उन्होंने अपने कलेजे के टूकड़ों को देश की सरहदों पर भेजा है। उन माताओं का ऋण देश की जनता कभी नहीं उतार पाएगी। क्योंकि देश की सेवा से बढकर कोई सेवा नहीं है। उन माताओं को सलाम। मां सम्बोधन मात्र ही स्नेह और विश्वास का एहसास होता है । दूसरे शब्दों में कहे तो मां त्याग, लगन, अथक परिश्रम, जिम्मेवारी और धैर्य का पर्याय है। मां जन्म देती है, सृजन करती है, शिक्षा देती है, जीवन के प्रारम्भिक चुनौतियों से निपटने का रास्ता दिखाते हुए बच्चे को सांसारिक व्यवस्थाओं में निपुण करती है। मां का कोई विकल्प नहीं है इसलिए प्रभु के बाद हम मां प्रकृति की अराधना करते हैं।

20 हजार से ज्यादा अस्तपताल में हो चुकी डिलीवरी

वैसे तो बोहरा अस्पताल में हर मर्ज का इलाज किया जा रहा है,लेकिन बीते 25 सालों से शहर में रहकर जनता की सेवा कर रहे है। डा. सुदेश बोहरा हजारों माताओं को गर्भधारण से लेकर प्रसूति तक इस नाजुक भावनात्मक सफर में सहायता करके अपने आप को सौभाग्यशाली मानती हैं । हमारा विश्वास है गर्भधारण और प्रसूति एक प्राकृतिक प्रक्रिया है इसलिए हम यथासंभव इसे प्राकृतिक साधनों से ही पूर्ण करते हैं । परिणाम स्वरूप हजारों बहनों ने निराशा से मुक्ति पायी है और बोहरा अस्पताल में केवल औषधियों और दिनचर्या में सुधार से प्राकृतिक गर्भधारण और नॉमर्ल प्रसूति होती रही है।

हस्ताक्षर युक्त रिपोर्ट मान्य हो: सैनी

- प्रयोगशाला टेक्नीशियन एसोसिएशन की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। बैठक के दौरान मौजूद प्रयोगशाला टैक्नीशियन एसोसिएशन के सदस्य।

लोहारू रोड स्थित रेस्तरां में प्रयोगशाला टेक्नीशियन एसोसिएशन की बैठक आरसी सैनी राज्य प्रधान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में निर्णय लिया कि सभी साथियों का राज्यकारिणी के निर्णय अनुसार रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। वहीं आरसी सैनी राज्य प्रधान ने बताया कि बेसिक लैबोरेट्री में प्रयोगशाला टेक्नीशियन द्वारा हस्ताक्षर युक्त रिपोर्ट मान्य होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे बहादुर जवान जो पाकिस्तान के साथ बहादुरी से लड़ाई लड़ रहे है, उनको नमन करते हुए उनको सहायतार्थ के लिए मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार के सहायता कोष में कुछ राशि जमा करवाने पर विचार विमर्श किया। इसके अतिरिक्त ये भी फैसला किया कि कोई भी आवश्यकता होगी तो एसोसिएशन भारतीय सेना और भारत सरकार के साथ खड़ी है। बैठक के समापन पर शहीदों के लिए दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बैठक में एसोसिएशन के चेयरमैन रमेश अहलवात, उपप्रधान नवीन धौड़, कानूनी सलाहकार कन्हैयालाल, तपन प्रसाद, भिवानी एसोसिएशन प्रधान सुरेन्द्र कुमार, प्रवीन तंवर, चरखी दादरी एसोसिएशन प्रधान अमित सांगवान, उपप्रधान सुनील कुमार बाढ़ड़ा, खजांची जितेन्द्र, सचिव संजीत कुमार, सहसचिव धर्मेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

तकनीक ही शिक्षा एवं शक्ति का आधार : डॉ सुहाग

- राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में राष्ट्रीय तकनीकी दिवस पर कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। तकनीकी दिवस पर कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

शिक्षा एवं अनुसंधान विज्ञान और तकनीक के सहारे ही शक्ति को विकसित कर सकते हैं। विज्ञान और तकनीक के बिना शिक्षा के सभी आयाम अधूरे हैं और सच तो यह है कि तकनीक ही शिक्षा और शक्ति का आधार है। उपरोक्त कथन वैश्य महाविद्यालय में एस एफ एस की डायरेक्टर डॉ प्रोमिला सुहाग ने आज राष्ट्रीय तकनीकी दिवस दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय सेक्टर 13 स्थित राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया। इससे पूर्व राष्ट्रीय तकनीकी दिवस के अवसर पर संस्थान में पहुँचने पर संस्थान की प्राचार्या डॉ गीता गुलिया, टी पी ओ बृजमोहन, एन सी सी इंचार्ज डॉ सन्नी पन्नू और फूड टेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष राजेश जिंदल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और संस्थान की ओर से मोमेंटो भेंट किया। इस अवसर पर पूर्व छात्रा कुमारी साधना ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की और राष्ट्रीय तकनीकी दिवस की बधाई देते हुए अपने लक्ष्य का संधान करने की प्रेरणा दी।

प्रदर्शनी का आयोजन

प्राचार्या डॉ गीता गुलिया ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय तकनीकी दिवस पर तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े विद्यार्थियों और शिक्षकों का दायित्व है कि वे अपने कार्य में शिक्षा एवं तकनीक का समन्वय करें ताकि शक्ति को प्रबल एवं प्रखर बनाया जा सके जिसके आधार पर राष्ट्र वर्तमान चुनौतियों का सामना कर सके । इस अवसर पर संस्थान में द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रोजेक्ट प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर भाग लिया और प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए।

शराब पीते समय झगड़ा साथी की हथियार से हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

तोशाम। शव को एम्बूलेंस में रखवाते हुए।

जुई मार्ग पर स्थित आरा मशीनों पर कार्यरत मजदूर ने शराब पीते समय झगड़ा हो जाने पर अपने साथी के सिर में नुकीले हथियार से वार कर हत कर दी। । सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। घटना को अंजाम देने वाला युवक वारदात में अंजाम देने वाले हथियार को लेकर मौके से फरार हो गया। मध्यप्रदेश के सागर जिले के निवासी दिनेश, सोनू, अंकित व सतपाल आरा मशीनों पर काम करते हैं। चारों एक ही मकान में रहते थे। शनिवार दोपहर को अंकित व सतपाल खाना खाने के लिए बाहर चले गए। दिनेश व सोनू मकान में बैठकर शराब पीने लगे। शराब पीते समय दिनेश व सोनू आपस मे कहासुनी हो गई। जिसके बाद सोनू ने दिनेश के सिर में नुकीले हथियार से सिर में वार कर दिए। बाद में सोनू हथियार सहित फरार हो गया।

हड़ताल की तैयारियों को लेकर बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारियों को लेकर बवानी खेड़ा के बिजली बोर्ड प्रांगण में एक गेट मीटिंग के आयोजन में कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

20 मई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारियों को लेकर बवानी खेड़ा के बिजली बोर्ड प्रांगण में एक गेट मीटिंग का आयोजन आल हरियाणा पावर कॉर्पोरेशन वर्कर्स यूनियन द्वारा किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में सिटी यूनिट भिवानी से सर्कल सेक्रेटरी अशोक गोयत, राज्य सचिव लोकेश, सिटी यूनिट अध्यक्ष रविंद्र यादव एवं सेंट्रल काउंसिल सदस्य चांद राम ने मुख्य रूप से सभा को संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता बवानी खेड़ा प्रधान अमित चौहान ने की। अमित चौहान प्रधान बवानी खेड़ा ने कर्मचारियों को संगठित होकर आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ अब एकजुट होकर आवाज उठाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने इस संघर्ष को न केवल कर्मचारियों के हित में, बल्कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे को बचाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम बताया। वक्ताओं ने इस समय भारत-पाकिस्तान सीमा पर जारी युद्ध की गंभीरता का उल्लेख करते हुए बताया कि जहां अनेक वीर सैनिक मातृभूमि की रक्षा करते हुए शहीद हो गए हैं, वहीं सीमावर्ती इलाकों में आम नागरिकों को भी जान गंवानी पड़ी है। सभा में सभी शहीद सैनिकों और नागरिकों को श्रद्धांजलि दी गई।

गोल्ड और कैश चोरी मामले में आरोपियों से 2 किलो 812 ग्राम सोना और 4.50 लाख बरामद

चरखी दादरी। दादरी मणप्पुरम गोल्ड लोन शाखा से 2 मई की रात चोरी हुए 6 किलो गोल्ड और 14 लाख रूपये कैश मामले में पुलिस ने अब तक कुल 5 किलो 443 ग्राम सोना और 4.50 लाख रूपये बरामद किए हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी पूर्व ब्रांच हैड विजय के साला किरण पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी किरण से 2 किलो 631 ग्राम सोना बरामद किया गया था।

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण
कोचिंग के क्षेत्र का बड़ा नाम.....
आर्यन कोचिंग सैन्टर
'विश्वास का दूसरा नाम'
नये बैच शुरू 12th के बाद नौकरी-कॉमन बैच
C.E.T. रेलवे
CUET अग्निवीर
S.S.C. Delhi Police
अनुभवी अध्यापक नोटस पैकेज शानदार रिजल्ट
पता : पारस वाली गली, नजदीक बस स्टैण्ड, च. दादरी
9050035973, 9812611926

आपरेशन सिंदूर जारी रहना चाहिए : रामशरण ठेकेदार

पाकिस्तान को मुंहतोड़ जबाव देकर किया वायदा पूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। सेना की पाक पर कार्रवाई की खुशी में तिरंगा लहराते हुए।

आंतकवाद एवं आतंकवादी देश पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों ने साहस और पराक्रम से मोदी नेतृत्व में विपक्ष के समर्थन से भारतीय रक्षा सैनिकों ने आपरेशन सिंदूर चला कि दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है, इससे पूरे हरियाणा में खुशी माहौल है।

यह जानकारी श्याम बाग़ सभा के महासचिव रोहतास वर्मा ने दी। श्याम बाग शमशान भूमि सुधार सभा कार्यालय प्रधान राधाकृष्ण चावला एवं रिटायर्ड फौजी कप्तान अगरू सिंह राजपूत के नेतृत्व में श्याम बाग सभा के सदस्यों एवं सेवादारों ने सेना कि इस कार्यवाही तिंरगा झंडा लेकर, लडडू खिला कर खुशी मनाई तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सेना, रक्षा मंत्री, अजित डोभाल, विदेश मंत्री का धन्यवाद किया। कप्तान अगरू सिंह ने भारत सरकार के आंतकवाद पर करारे प्रहार को उचित ठहराया उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को निर्दोष हिन्दू पर्यटकों पर पहलगाम में कायराना हमला कर निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस घटना से पूरे देशवासियों को गहरा आघात पहुंचा था। इस घटना बारे मोदी ने बिहार रैली में कहा था कि आतंकवादियों एवं पनाह देने वालों को उनकी कल्पना से भी ज्यादा ऐसी सजा दी जाएगी।

भारतीय सेना ने हर बार की माताओं की कोख की रक्षा: डुडेजा

नगरपरिषद पार्षद प्रतिनिधि हर्षदीप डुडेजा।

भिवानी। पार्षद प्रतिनिधि एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष हर्षदीप डुडेजा ने जारी ब्यान में कहा कि भारत, भारतीयों और भारतीय सेना ने कभी भी अपने देश में किसी भी प्रकार के आतंकवाद और अलगाववाद को बर्दाश्त नहीं किया और ना ही कभी करेंगे। हर्षदीप डुडेजा ने कहा कि देश के वीर सैनिकों ने हर बार माताओं की कोख, बहनों की कलाई और उनके माथे के सिंदूर की रक्ष की है। उन्होंने कहा कि हम सत्य, अहिंसा और शांति को मानने वाले लोग है। हम भारतीय कभी गलत नहीं करे, लेकिन अगर कोई हमारे साथ गलत करता है तो फिर हम सहते नहीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति रखती है तथा देश मे आतंकवाद को पोसने वालों, देश की एकता व अखंडता व सुप्रभता पर प्रहार करने वालों का मुंहतोड़ जबाद देना भी जानते है। उन्होंने कहा कि जब पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश के समक्ष संकल्प लिया था कि आतंकवादियों को कल्पना से भी परे सजा दी जाएगी तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवादी ठिकानों पर किए जा रहे हमले उसी संकल्प को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश मजबूत, सशक्त व सुरक्षित है तथा आतंकवाद के खिलाफ चलाया गया ऑप्रेशन स्पष्ट चेतावनी है कि भारत देश ने अब सहनशक्ति की सभी हदें पार कर दी है तथा अब भारत आकतंवाद को पूरी तरह से खत्म करके ही दम लेगा। डुडेजा ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में 140 करोड़ भारतवासी सरकार व भारतीय सेना के साथ खड़े है।

BANWARI LAL JINDAL SUIWALA COLLEGE TOSHAM
PUBLIC NOTICE

The Election process for the post of four office bearers (President, Vice-President, General Secretary & Treasurer), Two representatives of Teaching staff & one representative of non-teaching staff will be held to constitute New Governing Body, Banwari Lal Jindal Suiwala College Tosham (Bhiwani) as per schedule:

A **Date and Time of Election process**
1. Date and time for Filling of Nomination Form : 14-05-2025 Time 11.00 am to 1.00 pm
2. Date and Time for Scrutiny of the Nomination Forms : 19.05.2025 Time 11.00 am to 1.00 pm
3. Date and Time for Withdrawal of the Nomination Form by the candidates : 23.05.2025 Time 11.00 am to 1.00 pm
4. Date and Time for issuance of Symbol to candidates contesting election : 23.05.2025, Time 1.30 pm to 3.00 pm
5. Date and Time for Election of Office Bearers : 16.06.2025, Time 12.00 (noon) to 2.30 pm
6. Declaration of the result for Election of office Bearers : 16.06.2025, Time 3.00 pm
7. Date and Time for election of Teaching and Non-Teaching Staff representatives : 19.06.2025, Time 12.00 (noon) to 2.00 pm
8. Declaration of the result of election of Teaching and Non-Teaching Staff representatives : 19.06.2025 Time 2.30 pm

B **Place for Elections**
(i) Place of Election for Office Bearers : 110, Jindal House, Babar Road New Delhi
(ii) Place of Election for Teaching and Non-Teaching Staff Representatives: Principal Office, BLJS College, Tosham (Bhiwani)

C **The List of Trustee voters and Teaching staff & non-teaching staff voters are available with Returning Officer and at college website (www.bljscollege.com) for public information.**

Dr. Rakesh Kumar Bhardwaj
Returning officer Cum Principal
BLJS College Tosham

मातृ दिवस विशेष

मां के चरणों में बसती है मेरी दुनिया

इस दुनिया के हर रिश्ते में सबसे बड़ा दर्जा मां को दिया जाता है। मां और उसकी संतान का रिश्ता सबसे गहन और अनूठा होता है। हर हाल में अपनी संतान का सुख, उसका हित और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की छवि की उदात्तता असीम होती है। आज मातृ दिवस पर हम संकल्प करें कि मां को कभी कोई तकलीफ न हो, उसका साया, उसका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। यही इस दिवस की सार्थकता होगी।

आवरण कथा
डॉ. ओम निश्चल

जब कभी गीतकार प्रसून जोशी के लिखे और शंकर महादेवन के गाए मां को समर्पित गीत '...तुझे सब है पता, मेरी मां..' के बोल सुनाई पड़ते हैं तो हृदय भावनाओं से भर उठता है। जेहन में मां की तस्वीर उभर आती है। बच्चे का यह कहना, 'यूं तो मैं दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूं मैं मां...' सुन कर मन की आंखों को जैसे एक अजीब सी तृप्ति मिलती है। मां का संबंध ही कुछ ऐसा है। यह ऐसी शै है कि सारे वृक्षों से कागज तैयार किया जाए तो भी उस पर लिखी मां की महिमा कम पड़ जाएगी। जाने-माने कवि कैलाश वाजपेयी ने लिखा है, *अगर तुम्हें गर्भ में यह पता चलता/ जिस घर में तुम होने वाले हो, नमाज नहीं पढ़ता, वहां कोई यज्ञ होम कीर्तन नहीं होता/ कोई नहीं जाता रविवार को गिरिजाघर या ग्रंथपाठ में/ अगर तुम्हें यह पता चलता पेट के निदाघ और पर्व के हिसाब से अधेड़ बाप कभी बनाता है रंगीन कागज के ताजिए/ ईसा का तारा, कभी दुर्गा गणेश कभी अंधी ऊंचाई को थाहते सिर्फ आकाशदीप/ नीले हरे जोगिया/ अगर तुम्हें यह पता चलता/ तब तुम क्या करते/ क्या मां बदलते। (सूफीनामा)* कितने दार्शनिक अंदाज में कवि ने कह दिया कि मां से बच्चे का रिश्ता कितना अटूट है कि वह किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

मां की महिमा अवर्णनीय

दुनिया में यों तो रिश्ते-नातों की बड़ी लंबी परंपरा है। देखें तो हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, भावनाओं के स्तर पर, सामाजिक स्तर पर, सांस्कृतिक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर लेकिन जो खून के रिश्ते हैं, उनमें सबसे ज्यादा अहमियत मां को प्राप्त है। शास्त्रों में पृथ्वी को मां और आकाश को पिता कहा गया है। कभी रवींद्रनाथ ठाकुर ने यह कहा था कि *भगवान अभी बच्चों को धरती पर भेज रहा है, इसका अर्थ यह है कि अभी वह मानव जाति से निराश नहीं हुआ है और मानव जाति को जिस इकाई ने अपनी ममता, दया, करुणा और मोहब्बत से सबसे ज्यादा सींचा है, उसका नाम मां है।* देवताओं से लेकर संतों, महापुरुषों ने मां की महिमा बखान की है। मां के ऋण से एक बच्चा पूरे जीवन भर उऋण नहीं हो पाता। मां की इसी महिमा को स्मरण करने के लिए हर साल मई माह का दूसरा रविवार मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे अपनी मां के प्रति अपने लगाव, स्नेहिल प्रेम का इजहार करते हैं।

निःस्वार्थ होती है मां की ममता

शास्त्र कहते हैं, *माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः।* यानी, मां पृथ्वी है और हम सब उसके पुत्र हैं। एक पृथ्वी के रूप में मां जो दुख-दर्द सहती है, वह शायद और कोई दूसरा नहीं समझ सकता। शायर मुनव्वर राना अपनी एक गजल में कहते हैं, *बुलंदियों का बड़ा से बड़ा निशान छुआ, मां ने जो गोदी में उठाया तो आसमान छुआ।* इसका अर्थ यह है कि इंसान की उपलब्धियों और तरक्की के पीछे मां की दुआएं ही होती हैं। रिश्तों में यह मां ही है, जो अपनी संतानों के प्रति अपने दायित्व को नहीं भूलती। खुद रूखा-सूखा खाकर भी बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए पूरा जीवन होम कर देती है, बिना किसी प्रत्याशा में कि यह बच्चा आगे चल कर उसके बुढ़ापे की लाठी बनेगा भी या नहीं। उसकी ममता निःस्वार्थ होती है। अकसर देखा जाता है कि मांएं अपने कमजोर बच्चों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक दयावान होती हैं। यह तो उस बच्चे के प्रति न्याय है कि जो किसी कारणवश तरक्की की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है, उसे मां विशेष तरजीह दे, सहारा दे, उसे संभलने में मदद करे। इस पर मुनव्वर राना ने तो एक गजल में यह तक कहा है, *मां अगर पागल भी है तो उसे गौर से देखिए अपने बच्चों के प्रति मोह-ममता नहीं छोड़ती। यह चीज उसे पागलपन में भी नहीं भूलती। खुदा ने यह सिफत दुनिया की हर औरत को बख्शी है/ कि वो पागल भी हो जाए तो बच्चे याद रहते हैं।*

मां में समायी होती है संतान की पूरी दुनिया

यह सही है कि आज रिश्ते-नातों से जुड़े हर संबंध को पैसों की तुला पर तौला जाता है। अगर मां के पास बच्चों को कुछ ठोस देने के लिए है तो उसके लिए इज्जत है। लेकिन अगर वह वृद्धावस्था में है या जीवन में अकेली पड़ गई है तो बहुत कम बच्चे ऐसे हैं, जो मां का सहारा बनते हैं या मां को अपने घर में आदर से रखते हैं और उसकी मोह ममता के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहते हैं। यह कृतज्ञता उनके लिए एक दिन का दिखावा नहीं होता, बल्कि यह उनके दैनंदिन संस्कार में शामिल रहती है। ऐसे भी बच्चे हैं, जो मां की हर पल की अनुपस्थिति को याद करते हुए जीते हैं। कवि यश मालवीय के शब्दों में, *किस तरह कैसे न पूछो। जी रहा बेटा सलोना। मां तुम्हारा नहीं होना।*

मां को देते रहें प्यार-सम्मान

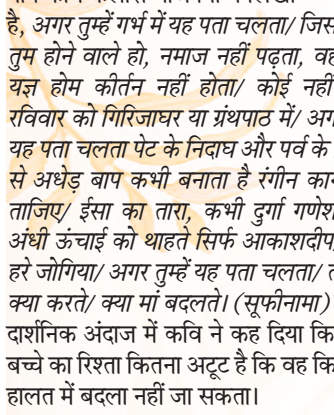

मां की ममता, दया, करुणा, हृदय की विशालता की बहुत चर्चा होती है। वह होती है तो घर का दूसरा पर्याय होती है। वह नहीं होती तो उसकी कमी खलती रहती है। वह होकर भी और न होकर भी हमारे भीतर होती है। लेकिन क्या हम जीते जी मां को पहचान पाते हैं? उसके सुख-दुख से वास्ता रख पाते हैं? ऐसा सर्वथा नहीं होता। दुनिया इतनी स्वार्थी हो चुकी है कि कभी बूढ़ी स्त्री को किसी तीर्थ किसी अजाने स्टेशन पर छोड़ कर अपने दायित्व से मुक्ति पा लेती है। सच, कितनी बहुरंगी दुनिया हो चुकी है कि हर दिन को किसी न किसी के लिए मुकर्रर कर रखा है। जैसे कि उस एक दिन के अलावा उसकी कोई अहमियत ही न हो। मां के लिए भी एक दिन मुकर्रर है। पर मां तो हर दिन मां है, वह है भी तो, नहीं भी है तो भी। जरूरत है मां को प्यार दिया जाए। उसे सम्मान दिया जाए। इसलिए मां जब तक हमारे बीच हैं, उस ममतामयी मूर्ति का ध्यान रखें। आज मातृ दिवस पर आइए मां को स्मरण करें। उनके साथ समय बिताएं। उनसे बचपन के किस्से व कहानियां सुनें और उसे जताएं कि मां हम आज भी तुम्हें कितना स्नेह करते हैं, कितना आदर करते हैं। *

कुछ मांएं क्यों रह जाती हैं उपेक्षित

मां की महिमा का कितना गुणगान किया जाता है, फिर भी जैसे-जैसे समाज पूंजीपरस्त होता जा रहा है, दुनिया में धन-दौलत का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही हमारे दिलों की दुनिया संकीर्ण होती जा रही है। एक जमाना था, मांएं अपने छह-सात बच्चों को एक साथ पाल-पोस कर बड़ा करती थीं और उन्हें शिक्षा-दीक्षा दिलाते हुए जीवन की सच्ची राह दिखाती थीं। लेकिन आज की उत्तरोत्तर छोटी होती दुनिया और एकल होते परिवारों में उसकी जगह नहीं है या उसकी जगह कम पड़ती जा रही है। आज स्थिति यह है एक मां के साथ उसके छह-सात बच्चे एक साथ रह सकते हैं लेकिन किसी एक बच्चे के परिवार के साथ मां-पिता का रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज जो स्थिति है, उसमें मांएं निरंतर अकेली हो रही हैं। हाल के वर्षों में एकल मांओं की संख्या बढ़ी है। पति-पत्नी के बीच खट्टे होते संबंधों के इस दौर में कितनी मांए अपने बच्चों के साथ अकेले रहने को विवश हैं। ऐसे संकीर्ण वातावरण में मातृ दिवस हर साल मां के महत्व को याद दिलाने के लिए आता है और सोशल मीडिया मां की ममता और मां के सम्मान की पोस्टों से भर जाते हैं। ऐसे लगता है मां के प्रति इस समाज में कितना प्यार और कृतज्ञता है। ऐसी स्थिति में हर साल मातृ दिवस आकर फिर हमें एक बार झकझोरता है कि क्या मां के प्रति प्रेम हमारे भीतर बचा हुआ है, हम स्वतः मां के प्रति अपने दायित्व से जुड़े हैं या हम समाज के रवायत के रूप में उसके प्रति मोहब्बत और आदर का दिखावा मात्र कर रहे हैं?

जुड़ाव
डॉ. अनिता राठौर

यह सही है कि जीवन के अधिकांश काम करने में सक्षम डिजिटल वर्ल्ड के इस दौर में दुनिया भर में किसी को हम अपना दोस्त बना सकते हैं, नया रिश्ता जोड़ सकते हैं। लेकिन मां-बच्चे का रिश्ता और आपसी जुड़ाव इससे परे होता है। ऐसा होने की क्या वजहें हैं...

मां-बच्चे का रिश्ता सबसे गहन-सबसे अनूठा

आज के दौर में डिजिटल दुनिया हमारी लगभग हर समस्या का तुरंत एक रेडीमेड विकल्प मुहैय्या कराती है। यह दोस्ती के लिए सोशल नेटवर्क देती है। जानकारी पाने के लिए गूगल उपलब्ध कराती है। मनोरंजन के लिए यू-ट्यूब है। इसके पास हमारी हर तरह की भावना के लिए, हर तरह की जरूरत के लिए कोई न कोई विकल्प होता है। लेकिन इसके पास मां का कोई विकल्प नहीं है।

अद्वितीय होती है मां: मां का रिश्ता किसी लैंग्वेज बाइनरी से नहीं, किसी पिक्सल या डिजिट से नहीं, सीधे-सीधे दिल से जुड़ा होता है। मां हमें बिना शर्त प्यार करती है, जबकि सोशल मीडिया का सारा संतुलन, इसका सारा गणित लाइक और फॉलो जैसी शर्तों पर टिका होता है। मां शायद दुनिया में अकेली ऐसी शख्स होती है, जो अपने बच्चों के हर तरह के कष्टों को, हर तरह की तकलीफ को बिना उनके एक शब्द बताए जान लेती है। सोशल मीडिया तो हमारा तब नोटिस लेता है या नोटिस करता है, जब हम पोस्ट डालते हैं। जबकि मां हमें हमेशा लाइक करती है, हर हाल में प्यार करती है, अपनी हर सांस में हमारे लिए दुआएं करती है। मां हमें कभी एडिटेड वर्जन में नहीं चाहती या समझती। हम जैसे हैं, वैसे ही मां के सबसे प्यारे, सबसे लाडले होते हैं। इसीलिए मां का डिजिटल डिस्कोर्स में कोई विकल्प नहीं है।

हर तर्क से परे रिश्ता: मां का रिश्ता समय, ट्रेंड या टूल्स से परे होता है। मां का वो रिश्ता, जो महसूस किया जाता है, उसे किसी भी दुनियावी कैटेगिरी में नहीं डाल सकते। सोशल मीडिया पर लोग इसीलिए कभी मां के जैसे रिश्ते नहीं तलाशते, क्योंकि मां का रिश्ता किसी विश्वास भर से नहीं होता। मां का रिश्ता कुदरती होता है। कभी किसी को यह एहसास भी नहीं होता कि मां की किसी बात पर अविश्वास भी किया जा सकता है। मां का रिश्ता एक समर्पण है, उसमें किसी तरह का समीकरण तलाशना या किसी किस्म का तर्क तलाशना, उसे बहुत छोटा करना है। मां का रिश्ता हर तरह के तर्क से ऊपर होता है, यह समर्पण में पलता है और त्याग से फलता है। जबकि सोशल मीडिया पर हम अकसर दिखावा, मनोरंजन या महज त्वरित जुड़ाव चाहते हैं। जबकि मां के रिश्ते में स्वतः धैर्य, गहराई और निःस्वार्थतता होती है, जो कभी किसी क्लिक या पोस्ट से नहीं मिल सकता। इसलिए कहते हैं, मां वो प्यार की किताब है, जिसे पढ़ने के लिए इंटरनेट नहीं धड़कता हुआ दिल चाहिए।

जैविक जुड़ाव से आती है गहनता: मां के रिश्ते की बायोलॉजी को अगर समझें तो स्पष्ट होगा कि आखिर वह दुनिया के बाकी सभी रिश्तों से इतनी भिन्न क्यों होती है? मां का रिश्ता इसीलिए सबसे अलग होता है, क्योंकि इसके पीछे की बायोलॉजी कुछ और ही है। दरअसल, मां और उसके बच्चों के बीच जिस तरह का अटूट भावनात्मक रिश्ता होता है, वह किसी परवरिश, किसी समझदारी या ज्ञान से नहीं आता। ऐसे रिश्ते की अपनी एक जैविकता या बायोलॉजी होती है। अगर इस रिश्ते के सबसे मजबूत और सबसे भिन्न पहलू को जानें तो वो होता है, मां और उसके बच्चे के बीच मौजूद गर्भनाल का रिश्ता। मां और शिशु एक अंबिलिकल कॉर्ड से आपस में जुड़े हाते हैं, इसी कॉर्ड या नली के जरिए नौ महीने तक मां के पेट में पल रहा बच्चा, मां के खून से, मां की सांसों, मां के खाए गए खाने से, मां की खुशियों से, मां की परेशानियों से बनता है। शिशु के अंदर जो भी कुछ होता है, नौ महीने तक वह सिर्फ और सिर्फ मां का होता है। उसमें दुनिया की, कुदरत की कोई भी अलग से हिस्सेदारी नहीं होती। मां के खून से ही शिशु को ऑक्सीजन मिलती है, शिशु को पोषण मिलता है। इसलिए मां और उसके बच्चे के बीच के रिश्ते को दुनिया के किसी भी रिश्ते से साझा नहीं किया जा सकता। किसी भी रिश्ते से इस रिश्ते की तुलना नहीं हो सकती। क्योंकि यह कोई रिश्ता है ही नहीं, यह एक जिस्म के दो हिस्से हैं। यह साझी धड़कनों का रिश्ता है। यह ऐसा रिश्ता है, जिसको एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। गर्भावस्था में मां के शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा बनता है। यही हार्मोन लगाव और प्रेम पैदा करता है। इसी से मां और उसकी संतान के बीच ताउम्र एक गहरा जुड़ाव और अटूट संबंध बनता है। *

कविता / सरस्वती रमेश

मां की उपस्थिति

मां तुम्हारी उपस्थिति से
घर को नया अर्थ मिलता है
रिश्तों को ऊष्मा
परिवार को स्नेह
ममता की आंच पर
रसोई में पकते हैं
संतुष्टि के नए आयाम
भूख और भोजन का रिश्ता
भावना और अहसास सा
कोमल हो जाता है
और भोजन का हर निवाला
प्रसाद सा पवित्र

मां तुम्हारे होने से
घर का हर कोना
सजीव हो उठता है
तुम्हारे प्यार की गर्माहट
बिखरी रहती है हर तरफ
जीवन की कड़ी धूप में
तुम्हारे आंचल का साया
घना और शीतल आश्वासन है
कि तुम्हारे होने भर से
मुश्किलों के पहाड़
बौने और कमजोर
पड़ जाते हैं।

छोटी कहानी / शीला श्रीवास्तव

तरकीब

मां जी यह लीजिए मटर, फटाफट छील दीजिए। राहुल को मटर की कचौड़ी खानी है।' बड़ी बहू अपनी सास को मटर की थैली थमाते हुए बोली। सविता जी जल्दी-जल्दी मटर छीलने लगीं। जैसे ही मटर छीलने काम खत्म हुआ, छोटी बहू चावल बिनने के लिए थाली थमा गई। सविता जी का सारा समय दोनों बहुओं के दिए हुए काम में ही बीत जाता था। दो पल सुकून की सांस लेना भी उनके नसीब में नहीं था, जबकि दोनों बहुएं अपने-अपने काम से निवृत्त होकर दोपहर की नींद भी ले लेती थीं। पड़ोस में रहने वाली उनकी हमउम्र सहेली वीणा जब भी आतीं, सविता जी को काम करते देखतीं। आज उनसे रहा नहीं गया, उन्होंने कह ही दिया, 'यह क्या सविता? जब देखो तब काम में लगी रहती हो। यह कोई उम्र है काम करने की, सत्तर की हो चली हो तुम।'

'क्या करूं वीणा, मजबूरी है। मैं भी चाहती हूं कि जिंदगी की आखिरी पड़ाव में भगवान में मन लगाऊं।' सविता जी लाचारगी भरे स्वर में बोलीं। 'क्या तुम्हारी बहुएं बिना काम किए तुम्हें खाना नहीं देतीं?' वीणा ने पूछा। 'अब तुमसे क्या छिपाना। मेरे पति के देहांत के बाद दोनों बेटों ने आपस में तय कर लिया, दिन का खाना बड़ा बेटा देगा, रात का खाना छोटा बेटा। इसके एवज में दोनों बहुएं जब-तब मुझे कुछ न कुछ काम थमा देती हैं।' कहते हुए सविता जी के नेत्र सजल हो उठे।

वीणा कुछ सोचते हुए बोली, 'अच्छा बताओ, यह घर किसके नाम पर है?'

'घर तो मेरे नाम है।' सविता जी ने बताया।

'फिर तो कोई टेंशन ही नहीं है। एक तरकीब है मेरे दिमाग में। मेरा एक भतीजा है, जो वकील है। मैं उसे तुम्हारे पास सब कुछ समझा कर भेज दूंगी। तुम बस उससे थोड़ी-बहुत इधर-उधर की बातें करना। उसके जाने के बाद दोनों बहुओं से कहना कि अब मेरी उम्र हो गई है। मुझसे ज्यादा काम-धाम नहीं होता, इसलिए मैंने फैसला किया है कि जो बेटा-बहू मेरी देखभाल अच्छे से करेगा, यह घर मैं उसके नाम कर दूंगी।' वीणा ने अपनी सहेली को समझाया।

'लेकिन वीणा, यह तो दूसरे बेटे के साथ अन्याय नहीं होगा?' सविता जी एक कसक लिए बोलीं।

'तुम्हें बस यह बात अपने बहू-बेटों के कानों में डालनी है, जो मैंने कही है। घर तो दोनों बेटों के नाम पर ही होगा, दुखी मत हो। सूझ-बूझ से काम लो। बस तुम्हारे बचे हुए दिन आराम से निकल जाएंगे।' वीणा मुस्कराते हुए बोलीं।

'यानी कि मुझे झूठ का सहारा लेना पड़ेगा।' सविता जी हिचक रही थीं।

'जिस झूठ से किसी का नुकसान न हो, वह झूठ बोलने में हर्ज क्या है?' वीणा बोलीं।

सविता को अपनी सहेली वीणा की बात समझ में आ गई। उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अब दोनों बहुओं में सविता जी की सेवा करने की होड़-सी लग गई। काम से छुटकारा मिला सो अलग से। सविता जी मन ही मन वीणा बहन का शुक्रिया अदा कर रही थीं, जिनकी तरकीब की वजह से उनका बुढ़ापा सुखमय हो गया था। *

विज्ञापन
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ -

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
सम्पर्क - 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

सांस्कृतिक आयोजन / धीरज बसाक

माउंट आबू में कल से शुरू हुआ समर फेस्टिवल, कई मायने में बहुत अलग और बहुरंगी आयोजन है। इसमें राजस्थान के सिर्फ अतीत की ही झांकी नहीं दिखाई जाती बल्कि यहां की लोक संस्कृति, शिल्प, संगीत और व्यंजनों को भी बहुत करीने से पेश किया जाता है, ताकि यहां आने वाले सैलानी राजस्थान की लोक संस्कृति के रंगों को करीब से महसूस कर सकें।

माउंट आबू समर फेस्टिवल

नेचर के करीब कला के रंग

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला तीन दिवसीय 'माउंट आबू समर फेस्टिवल' लय और ताल की एक ऐसी सरगम रचता है, जिसमें शामिल होकर अलग ही आनंद की अनुभूति होती हैं। इस साल यह आयोजन कल आरंभ हो चुका है और कल यानी 12 मई को समाप्त होगा।

होते हैं कई आयोजनः माउंट आबू के इस विशेष बहुरंगी कार्निवल में लोकनृत्य, संगीत, रंग-बिरंगे जुलूस और एक से बढ़कर एक रोमांचक प्रतियोगिताएं देखने को मिलती हैं। इस तीन दिवसीय उत्सव में एक से बढ़कर एक कई आकर्षक आयोजन होते हैं। जैसे माउंट आबू की गोद में स्थित खूबसूरत नक्की झील में होने वाली नौका दौड़। इसके अलावा स्केटिंग रेस, मटका फोड़ प्रतियोगिता, रस्साकशी और रंग-बिरंगे जुलूस के साथ हर शाम समां बांधने वाली शाम-ए-कव्वाली कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। राजस्थानी संस्कृति, आदिवासी रीति-रिवाजों और लोकरंगी परंपराओं के फ्यूजन का जो नजारा माउंट आबू समर फेस्टिवल में दिखता है, वैसा लोकधर्मी आनंदोत्सव शायद ही कहीं और देखने को मिलता हो।

मिलता है अनोखा अनुभवः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थान के सबसे मशहूर सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जो अपने आपमें राजस्थानी लोकसंस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक है। मई के महीने में जब राजस्थान ही नहीं बल्कि समूचे उत्तर भारत का मैदानी हिस्सा तप रहा होता है, तब मरु प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन यहां आने वाले सैलानियों को गर्मी की तपिश से जीवंत ताजगी का अनुभव प्रदान करता है।

गर्मी में ताजगी का एहसासः यह कहना गलत नहीं होगा कि यह ग्रीष्मोत्सव, यहां आए सैलानियों को मानसून के पहले कला और संस्कृति की आनंदमय बारिश में भीगने का सुकून देता है। माउंट आबू के मनोरम नजारे, शांत झीलें एक ऐसा वातावरण रचती हैं, जो इस उत्सव में चार चांद लगा देते हैं। यह पारंपरिक राजस्थानी संगीत का आनंदोत्सव है, जो अपनी रग-रग में राजस्थान के आदिवासी जीवन और संस्कृति का परिचय देता है।

हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की चमक और उनके मेहनत, मशक्कत भरे जीवन में रंग-बिरंगी खुशबुओं का खजाना पेश करता है। युवा इस उत्सव में न सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साह से भाग लेते हैं, बल्कि नाचते-गाते, तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाते और उत्सव का आनंद लेते हैं।

दिखती है सांस्कृतिक झलकः राजस्थान का यह समर फेस्टिवल, भले प्रदेश के बहुत सारे समर फेस्टिवल्स में से एक हो, लेकिन इसमें प्रदेश के संपूर्ण सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक दिखती है। इस लोकोत्सव में गवरी, घूमर, गेर, डांडिया जैसे कई तरह के लोकनृत्य प्रस्तुतियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां हर शाम सूफी परंपराओं का एक ऐसा नजारा, भजन और कव्वाली के रूप में सामने आता है, जिसकी भव्यता का अनुमान इस फेस्टिवल में शामिल हुए बिना नहीं की जा सकती है। राजस्थान की लोकलुभावन पारंपरिक लोकसंस्कृति से इतर, यह कार्यक्रम बिल्कुल एक अलग आध्यात्मिकता के धवल रंग में डूबा माहौल रचता है, जहां लोग भक्ति और अध्यात्म के अलग स्तर का अनुभव करते हैं।

नायाब शिल्प का आकर्षणः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थानी हस्तशिल्प और लोककलाओं का भी नायाब मंच है। इस फेस्टिवल में इस मरुधरा के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकार अपनी कलाकृतियों के उत्कृष्ट नमूने पेश करते हैं। ऐसे में ये जहां आनंद का उत्सव है, वहीं कला का एक विहंगम मंच भी है।

जायकेदार व्यंजनों का मजाः राजस्थान के किसी भी दूसरे लोकोत्सव की तरह यहां भी सैलानी, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी ले सकते हैं। वैसे भी कहा जाता है, जहां राजस्थानी लोकरंग होंगे, वहां सबसे यादगार तो जायके का रंग ही होगा। इसलिए माउंट आबू समर फेस्टिवल, खासतौर पर गट्टे की सब्जी, मिर्ची बड़ा और दाल-बाटी-चूरमा के लिए सैलानियों के बीच खूब प्रसिद्ध है। इस फेस्टिवल में राजस्थान के हर कोने में बनने वाली तीन दर्जन से ज्यादा राजस्थानी मिठाइयां चखने का भी मौका मिलता है।

बड़ी तादाद में जुटते हैं सैलानीः माउंट आबू समर फेस्टिवल, इतना बहुरंगी होता है कि जो भी सैलानी एक बार यहां आता है, वो बार-बार यहां आना चाहता है। यही कारण है कि हर गुजरते साल के साथ माउंट आबू महोत्सव, देशी-विदेशी सैलानियों का बहुत बड़ा मिलनोत्सव भी बन चुका है। हर साल इस फेस्टिवल में यहां देश-विदेश के कई लाख सैलानी आते हैं, जिनमें सबसे ज्यादा गुजरात, पंजाब, दक्षिण भारतीय राज्यों, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग होते हैं, वहीं विदेशी सैलानियों में बड़ी तादाद यूरोपीय देश के सैलानियों की होती है। साल दर साल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। क्योंकि पिछले कुछ सालों से इसकी लोकप्रियता बहुत बढ़ गई है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / विवेक कुमार

अगर तमाम कोशिशों के बाद भी आप मनचाही प्रोग्रेस नहीं कर पा रहे हैं तो सेल्फ एनालिसिस करें, कहीं आप वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी के शिकार तो नहीं? इस बारे में हम दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

आपकी प्रोग्रेस में बाधक है वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी

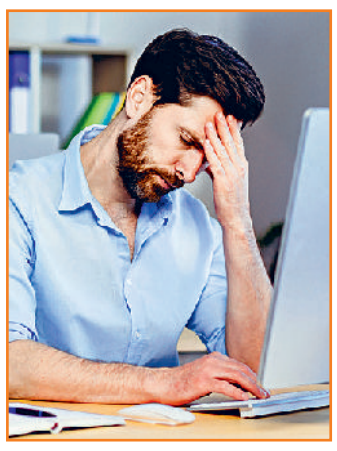

वीक पर्सनालिटी उनकी होती है, जिनका सेल्फ रेस्पेक्ट कम होता है, जिनमें कॉन्फिडेंस की कमी होती है और जो हमेशा दूसरों से प्रभावित होते हैं। ऐसे लोगों के रिश्तों पर भी इसका हमेशा नकारात्मक असर होता है। इनकी आवाज में भी हमेशा आत्मविश्वास की कमी झलकती है। वे अपने निर्णयों के प्रति अनिश्चित होते हैं। वे जो निर्णय लेते हैं, उसमें हर समय बदलाव करते रहते हैं। इसके विपरीत एक स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति इन गुणों से अलग होता है। ऐसा व्यक्ति अपने आपको जिस तरह से पेश करता है, वो अंदाज ही इंप्रेसिव लगता है। वह अपनी बात मजबूती और विश्वास से सामने रखता है। इसीलिए उसका लोग सम्मान करते हैं और उसे अधिकतर लोग पसंद करते हैं।

वीक कॉन्फिडेंस वाला आदमी सबकी हां में हां मिलाता है। वह जीवन को जिस ढंग से जीता है, उसके प्रति ही आश्वस्त नहीं होता। इसलिए वह दूसरों के तरीकों को सुनता है और उनका अनुसरण करता है। जो दूसरे कहते हैं, वही करता है। एक व्यक्ति के रूप में उसको अपने आप पर भरोसा नहीं होता। ऐसे लोगों में यहां बताए जा रहे गुण भी होते हैं। इन कमियों को दूर करके ही प्रोग्रेस की जा सकती है।

चुनौतियों से बचते हैंः ऐसे लोग संघर्ष और मुश्किलों से डरते हैं या कहें बचते हैं। वे अपने को इन कंडीशंस से बचाते हैं और चुनौती समाप्त होने की प्रतीक्षा करते हैं।

दूसरों को खुश करते हैंः वीक कॉन्फिडेंट व्यक्ति हमेशा दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे खुद को खुश करने की बजाय दूसरों को खुश करते हैं, जो व्यक्ति आत्मविश्वास से भरे होते हैं, वे हमेशा खुद को बेहतर बनाने और अपने जीवन को जितना संभव हो, उतना आसान और स्वतंत्र बनाने के तरीके खोजते रहते हैं।

दूसरों को महत्व देते हैंः कमजोर लोग खुद को लेकर इनसिक्योर होते हैं और वे हमेशा उन लोगों पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें वे हमेशा पूर्ण मानते हैं। एक सफल व्यक्ति बनने के लिए आपको हमेशा निडर और मजबूत होना चाहिए। डर का सामना करना चाहिए और अपने भीतर आत्मविश्वास जगाना चाहिए।

नहीं होते ज्यादा दोस्तः लो कॉन्फिडेंट लोगों के ज्यादा और समझदार दोस्त नहीं होते हैं। वे अपने जैसे कमजोर लोगों से ही घिरे रहते हैं। असली भाईचारा किसी को आगे बढ़ने में मदद देने के साहस के साथ आता है और वो साहस ही है, जिसकी एक व्यक्ति को जरूरत होती है न कि किसी कमजोर आत्मविश्वास वाले व्यक्ति की। सफलता के लिए आपको तेज दिमाग और आत्मविश्वास से भरपूर लोगों के बीच रहने की जरूरत होती है, जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करें।

नहीं ले पाते फैसलेः लो कॉन्फिडेंट लोग अपने जीवन के छोटे हों या बड़े फैसले आसानी से नहीं ले पाते हैं। हर फैसले के लिए उनको दूसरों के सलाह और सहायता की जरूरत होती है। ऐसे लोग बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते हैं। इसलिए खुद में डिसीजन मेकिंग की पावर डेवलप करना बहुत जरूरी है।

कमजोर होती है आवाजः किसी व्यक्ति की आवाज और उसके बोलने का अंदाज बताता है कि वह कमजोर आदमी है या मजबूत आदमी। वे खुद पर भरोसा नहीं दिखाते और आमतौर पर दूसरों द्वारा इग्नोर किए जाते हैं। आत्म जागरूकता की कमी के कारण ऐसे लोग अपने पर विश्वास नहीं करते इसलिए खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते हैं। कमजोर आदमी को उसके आवाज के लहजे से पहचानना आसान है। जब आप लोगों से बात करते हैं तो आत्मविश्वास दिखाना यह दर्शाता है कि आपको खुद पर दृढ़ विश्वास है।

सीखने से बचते हैंः जो आदमी सीखने का इच्छुक होता है, वह आत्म सुधार को महत्व देता है। ऐसा गुण कोई कमजोरी नहीं दिखाती, निरंतर सीखना आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आदत है और यह रोजमर्रा के जीवन में शामिल होना चाहिए। रोज सीखने से आपके जीवन के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य विकसित होता है और आपके आस-पास की हर चीज को अर्थ मिलता है। लेकिन वीक पर्सनालिटी वाले लोग नई स्किल्स को सीखने और ज्ञान को अपनाने से इंकार करते हैं। यही इनकी सबसे बड़ी कमजोरी होती है। ऐसे लोग कम ज्ञान का भी बहुत ज्यादा दिखावा करते हैं। वहीं स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति हमेशा सीखने को तैयार रहता है। कहने का सार यही है कि अगर आपकी पर्सनालिटी में कॉन्फिडेंस की कमी है तो उसे दूर किया जा सकता है, अपनी पर्सनालिटी को स्ट्रॉन्ग बनाया जा सकता है। *

प्राकृतिक धरोहर / शिवचरण चौहान

सिंधु नदी को गंगा नदी के समान ही पूज्य और जीवनदायिनी माना जाता है। इन दिनों चर्चित सिंधु नदी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य जानिए, जिससे आप इसकी महत्ता को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

भारत की प्राचीनतम भव्य-दिव्य सिंधु नदी

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक सिंधु नदी, दुनिया की सबसे लंबी नदियों में भी शामिल है। इस नदी का उल्लेख दुनिया के प्राचीनतम ग्रंथ 'ऋग्वेद' में भी मिलता है। इसके बारे में ऋगवेद में कहा गया है कि यह अत्यंत वेगवान नदी है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति को समझने के लिए सिंधु घाटी सभ्यता का अध्ययन आवश्यक माना जाता है। एक पूरी सभ्यता का नामकरण जिस नदी के नाम पर हुआ है, इतिहास में उस नदी की महत्ता को सहज ही समझा जा सकता है।

प्राचीन ग्रंथों में उल्लेखः ऋग्वेद सहित अन्य तीनों वेदों में भी सिंधु नदी का उल्लेख तीस बार से भी अधिक आया है। वाल्मीकि कृत 'रामायण' में सिंधु का उल्लेख महानदी के रूप में मिलता है। 'महाभारत' और कालिदास कृत 'रघुवंशम' आदि ग्रंथों में सिंधु की पवित्रता का बखान किया गया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि कैलाश शिखर से तीव्र वेग से नीचे गिरने वाली सिंधु नदी के गर्जन की ध्वनि आसमान तक गूंजती है। सिंधु की तुलना एक गरजते हुए वृषभ (बैल) से की गई है। लेह-लद्दाख के प्राकृतिक सौंदर्य और सिंधु का कलकल स्वर बरबस ध्यान खींच लेते हैं।

तट पर हुई सभ्यता विकसितः हजारों साल पहले इसी सिंधु नदी के किनारे बड़े-बड़े नगर, गांव कस्बे बसे हुए थे। खुदाई में इनके अवशोष मिले हैं। जिनसे प्राचीन सभ्यता का अनुमान लगाया गया है। सिंधु घाटी सभ्यता यहीं इसी नदी के तट पर पनपी थी।

नदी का उद्गमः सिंधु नदी, हिमालय से दक्षिणी पश्चिमी तिब्बत, मानसरोवर के कैलाश पर्वत के पास सिन का बाब ग्लेशियर से निकलती है। 16 हजार फीट ऊंचे उद्गम स्थल से निकलने के बाद यह नदी लद्दाख में देमचोक के निकट भारत भूमि में प्रवेश करती है। कुछ और नीचे उतरने पर श्योल, शिग, हुंजा, गिलगित आदि नदियां सिंधु में मिल जाती हैं। इस तरह सिंधु नदी, भारत में हिमालय से तिब्बत के पास एक ग्लेशियर से निकल कर पाकिस्तान के कराची शहर के पास अरब सागर में गिरती है। सतलज, रावी, चिनाब, झेलम आदि नदियां सिंधु की ही सहायक नदियां हैं। सिंधु नदी की लंबाई लगभग 2880 किलोमीटर है।

सिंधु दर्शन कार्यक्रमः भारत सरकार ने सिंधु की प्राचीनता, सभ्यता और संस्कृति को रेखांकित करने के लिए, देश और विदेश के लोगों को इस नदी और इसकी सांस्कृतिक महत्ता को बताने के लिए सिंधु दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1998 में की थी। अपने प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल में अटल बिहारी बाजपेयी ने सिंधु दर्शन कार्यक्रम शुरू किया था। प्रत्येक वर्ष जून माह में लेह स्थित सिंधु नदी के तट पर सिंधु दर्शन कार्यक्रम संपन्न होता है। सिंधु तट पर बौद्ध अध्ययन संस्थान तथा सिंधु सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया गया है। सिंधु दर्शन कार्यक्रम जातीय एकता, सामुदायिक सौहार्द को बढ़ाने के साथ सिंधु नदी, सभ्यता संस्कृति को आदर देने का प्रतीक है।

सिंधु तट पर आयोजित सिंधु दर्शन कार्यक्रम की झलक

डाक टिकट किया गया जारीः डाक विभाग ने पवित्र नदी सिंधु की महत्ता प्रतिपादित करने तथा सिंधु दर्शन कार्यक्रम का प्रचार करने के लिए तीन रुपए मूल्य का एक बहुरंगी विशेष डाक टिकट जारी किया है। डाक टिकट में उतुंग पर्वत श्रेणियों से बहती सिंधु के प्राकृतिक स्वरूप का चित्रण किया गया है तथा इनसेट में वृषभ मुद्रा तथा ऋगवेद की एक पंक्ति अंकित है। दरअसल, सिंधु घाटी के साथ ही मोहन जोदड़ों तथा हड़प्पा की सभ्यता की खुदाई में जो सिक्के मिले हैं, उनमें वृषभ (बैल) के चित्र बने हैं। उस सभ्यता में गाय और बैल पूज्यनीय माने जाते थे। बैल ही कृषि का तथा परिवहन का मुख्य आधार थे। सिंधु घाटी सभ्यता की बहुत सी जानकारी अभी खोजी जा रही है। *

मां हर इंसान के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। हमारी फिल्मों में भी मां की भूमिका और उनके महत्व को बहुत ही सशक्त ढंग से उभारा गया है। फिल्मों में मां की भूमिका को कई अभिनेत्रियों ने अपने सशक्त अभिनय से यादगार बना दिया। एक नजर ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों पर।

इन अभिनेत्रियों ने यादगार बना दिया फिल्मों में मां का किरदार

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

हम सबकी जिंदगी की कहानी में ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी कथानक का अहम हिस्सा रही हैं। किरदार, अंदाज चाहे जो भी रहा हो, कई ऑनस्क्रीन मांओं ने हमेशा दर्शकों के मन पर अपनी अलग छाप छोड़ी। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें मां के किरदारों ने ही सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कुछ अभिनेत्रियों ने मां के किरदार को इतनी बखूबी निभाया कि फिल्मों में मां की बात हो, तो जेहन में इनकी ही छवि उभरती है।

नरगिस की पहचान से जुड़ गई-मदर इंडियाः जब भी फिल्मों में मां की सशक्त भूमिका का जिक्र आता है, 'मदर इंडिया' में नरगिस द्वारा निभाई गई भूमिका को जरूर याद किया जाता है। 1957 में आई इस फिल्म में नरगिस ने राधा का किरदार निभाया, जो एक मां है और अपने दोनों बेटों को बेहतर जीवन देने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म में नरगिस ने सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार की मां की भूमिका को जीवंत किया था। उन्होंने ऐसी मां का किरदार निभाया, जिसके हाथ अपने बेटे के अन्याय करने पर उसकी जान लेने से नहीं हिचकते।

अचला सचदेव

दीना पाठक

अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां निरुपा रायः निरुपा राय का नाम सुनते ही जेहन में उनके द्वारा निभाई गई मां की कितनी ही भूमिकाएं एक साथ उभरती हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई फिल्मों में अमिताभ की मां की भूमिका निभाई। 'दीवार' में निरुपा रॉय ने एक ऐसी मां का किरदार निभाया, जो अपने बेटों के लिए सब कुछ करती है। उन्होंने 'मुकद्दर का सिकंदर', 'अमर अकबर एंथनी', 'सुहाग' जैसी फिल्मों में भी अमिताभ की मां की भूमिका निभाई।

मां की भूमिका में खूब पसंद की गईं नूतनः अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया नूतन ने भी कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई। इनमें 'मेरी जंग', 'नाम', 'मुजरिम', 'युद्ध और 'कर्मा' जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं।

राखी ने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः यदि निरुपा राय को अमिताभ की मां कहा जाता है, तो राखी अनिल कपूर की फिल्मी मां कही जाती हैं। 'राम लखन', 'प्रतिकार', 'जीवन एक संघर्ष' में राखी, अनिल कपूर की मां बनी थीं। इन फिल्मों के अलावा 'खलनायक', 'सोल्जर', 'बॉर्डर', 'करण-अर्जुन', 'बाजीगर', 'अनाड़ी' जैसी फिल्मों में राखी ने मां का किरदार निभाया। राखी ने अधिकतर दृढ़, अपने विश्वास और संकल्प पर अडिग मां की भूमिकाएं निभाईं। 'राम लखन', 'करण-अर्जुन' जैसी फिल्मों में उनके निभाए मां के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं।

नब्बे के दशक की प्यारी मां रीमा लागूः नब्बे के दशक में रीमा लागू ने नए दौर की पारिवारिक और प्यारी मां की भूमिका को पर्दे पर जीवंत किया। रीमा लागू को सलमान खान की फिल्मी मां के रूप में पहचान मिली है। इन्होंने 'मैने प्यार किया', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं', 'जुड़वां' और 'पत्थर के फूल' जैसी सुपरहिट फिल्मों में सलमान खान की मां की प्रभावी और यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनकी मां की भूमिका वाली अन्य फिल्मों में 'कयामत से कयामत तक', 'आशिकी', 'कुछ-कुछ होता है' आदि शामिल हैं। 'वास्तव' में उनके द्वारा निभाया गया संजय दत्त की मां का रोल बहुत ही सशक्त एवं प्रभावशाली था।

'मदर इंडिया' में सशक्त मां की भूमिका में नरगिस

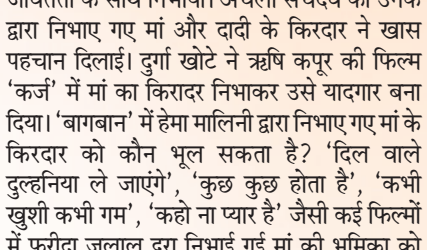

'राम लखन' में मां के किरदार में राखी

'दीवार' में निरुपा राय ने निभाई मां की यादगार भूमिका

हजार चौरासी की मां जया बच्चनः जया बच्चन के फिल्मी करियर में उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार भी उल्लेखनीय हैं। 'हजार चौरासी की मां' में उनके द्वारा निभाई गई एक सशक्त मां की भूमिका का जिक्र आज भी किया जाता है। 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो ना हो' में भी जया बच्चन द्वारा निभाए गए मां के किरदार को खूब सराहना मिली।

रीमा लागू

जया बच्चन

इन्होंने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः इनके अलावा हिंदी फिल्मों में ऐसी कई बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर मां की भूमिका को पूरी जीवंतता के साथ निभाया। अचला सचदेव को उनके द्वारा निभाए गए मां और दादी के किरदार ने खास पहचान दिलाई। दुर्गा खोटे ने ऋषि कपूर की फिल्म 'कर्ज' में मां का किरादर निभाकर उसे यादगार बना दिया। 'बागबान' में हेमा मालिनी द्वारा निभाए गए मां के किरदार को कौन भूल सकता है? 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'कहो ना प्यार है' जैसी कई फिल्मों में फरीदा जलाल द्वरा निभाई गई मां की भूमिका को दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म 'दोस्ताना' की कूल मदर हो या 'देवदास' की कठोर मां या फिर 'हम तुम' की फ्रेंडली मॉम, किरण खेर ने हर तरह की मां की भूमिका को जीवंत किया। लीला चिटनिस, दीना पाठक, वहीदा रहमान, आशा पारेख, रेखा, रति अग्निहोत्री ऐसी कितनी ही अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने समय-समय पर फिल्मों में मां की भूमिका निभाईं और उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की खूब सराहना मिली। *